वर्ष-14, अंक-272
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

फिर से प्रयास करने से कभी मत घबराना, क्योंकि इस बार सुरूवात शून्य से नहीं अनुभव से होगी।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
पेज-04
CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, शुक्रवार 05 जनवरी 2024

सिंगल कॉलम

अमेरिका में फिर हिंदू मंदिर पर हमला, खालिस्तानियों ने 14 दिन में दूसरी बार बनाया निशाना

अमेरिका में एक बार फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया है। खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे हैं। खालिस्तानियों ने 14 दिन में दूसरी बार हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर भारत विरोधी नारे लिखे हैं। हेवर्ड में विजय शेरावाली मंदिर को स्वामीनारायण मंदिर पर हमले के ठीक दो सप्ताह बाद निशाना बनाया गया है। उसी क्षेत्र में शिव दुर्गा मंदिर में चोरी भी की गई थी। घटना की जानकारी देते हुए हिंदू-अमेरिकन फाउनडेशन ने कहा कि हम एक बार फिर सभी मंदिर प्रमुखों को सुरक्षा मापदंड अपनाने की सलाह देते हैं। मंदिरों में सुरक्षा कैमरे और अलार्म सिस्टम स्थापित करने का महत्व भी बताया।

बिहार में पकड़ौआ विवाह से फिलहाल राहत नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने पकडौआ विवाह या जबरन विवाह को रद्द करने वाले पटना हाई कोर्ट के एक आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने बुधवार को कहा कि इसपर नोटिस जारी करेंगे। अगले आदेश तक फैसले के संचालन और कार्यान्वयन पर रोक लगी रहेगी।बता दें कि नवंबर 2023 में पटना हाईकोर्ट ने पकड़ौआ विवाह के एक मामले को रद्द कर दिया था। जस्टिस पीबी बजंथरी और अरुण कुमार झा की पीठ ने कहा था कि विवाह का पारंपरिक हिंदू रूप सप्तपर्व और दत होम के अभाव में वैध नहीं होता है। यदि सप्तपदी पूरी नहीं हुई है, तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी नहीं माना जाएगा। हाईकोर्ट के सामने दायर याचिका में याचिकाकर्ता (एक सैन्यकर्मी) ने कहा कि बंदूक की नोक पर उसे शादी के लिए मजबूर किया गया था। बिना किसी धार्मिक या आध्यात्मिक अनुष्ठान के उसे लड़की की मांग में सिंदूर भरने के लिए मजबूर किया गया था। दूसरी तरफ लड़की का कहना था कि उसकी शादी जून 2013 में सारे हिंदू हिंदू रीति-रिवाजों के तहत हुई। थी। शादी के समय उसके पिता ने उपहार में सेना, 10 लाख रुपये और अन्य सामग्री भी दी थी। बताते चलें, पकड़ौआ विवाह में लड़कों को अपहरण करके या बहला-फुसलाकर बंधक बना लिया जाता है।

खेत में घुस रही गायों के खुरों में लोहे की 2 इंच तक कील ठोक दी, पशुओं से हैवानियत

मध्य प्रदेश के दमोह जिले में पशु क्रूरता का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां इंसानों ने जानवरों के साथ भयानक कृत्य को अंजाम दिया है। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक में खेतों में घुस रहे मवेशियों से अपनी फसल को बचाने के लिए मानवता की हद पार कर गायों के खुरों में लोहे की 2 इंच कील ठोक दी गई। कील लगने से पशुओं के पैर में घाव हो गए और उनका चलना भी दुश्वार हो गया। मवेशियों के साथ इस प्रकार की क्रूरता करने की जानकारी लगने पर भगवती कल्याण संगठन के सदस्य गांव पहुंचे। उन्होंने इसकी सूचना जानवरों के डॉक्टर सहित पुलिसवालों को दी। पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम में मामला दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। यह पूरा मामला तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी निजाम का है। यहां खेतों में लगी फसल लहलहा रही है और उसे देखकर मवेशी खेतों में घुस रहे थे। खेत में घुस रहे मवेशियों से निजात पाने के लिए गांव के तीन लोगों ने मानवता की हद पार करते हुए एक दर्जन के करीब गायों के खुरों में लोहे की 2 इंच तक कील ठोक दी।

ईडी को आईएनएलडी नेता दिलबाग सिंह के घर मिला कुबेर का खजाना

5 करोड़ रुपये कैश, विदेशी हथियार...

आईएनएलडी के नेता और पूर्व विधायक दिलबाग सिंह के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम छापेमारी की। इस दौरान ईडी को दिलबाग सिंह के घर से कुबेर का खजाना हाथ लगा है। तलाशी अभियान के दौरान ईडी करोड़ों रुपये सहित विदेशी शराब भी बरामद हुई है। जानकारी के मुताबिक, दिलबाग सिंह और उसके सहयोगी के परिसर से 5 करोड़ रुपये केश बरामद हुआ।

ई-रावण योजना में हुई धोखाधड़ी की भी जांच कर रही ईडी-मनी लॉन्ड्रिंग का मामला हरियाणा पुलिस द्वारा पट्टा समाप्ति अवधि और अदालत के आदेश के बाद भी यमुनानगर और आसपास के जिलों में अतीत में हुए बोल्डर, बजरी और रेत के कथित अवैध खनन की जांच के लिए दर्ज की गई कई एफआईआर के बाद सामने आया है।

अवैध विदेशी हथियार और 100 से अधिक शराब की बोतलें बरामद

नोटों की गड्डी के अलावा अवैध विदेशी निर्मित हथियार, 300 कारतूस 100 से अधिक शराब की बोतलें और भारत और विदेश में कई संपत्तियों सहित अन्य सामग्री बरामद की है। बता दें कि दिलबाग सिंह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में इडी की जांच कर रही है। ईडी ने कल अवैध खनन से जुड़े धन शोधन मामले में हरियाणा कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार और पूर्व इनेलो विधायक दिलबाग सिंह और कुछ अन्य के ठिकानों पर छापेमारी की।

दिलबाग सिंह के घर से 4-5 किलोग्राम सोना भी बरामद

ईडी को जांच के दौरान 4-5 किलोग्राम सोना और भारत और विदेशों में संपत्ति से संबंधित दस्तावेज बरामद हुए हैं। ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की है। बीते दिन यमुनानगर, सोनीपत, मोहाली, फरीदाबाद, चंडीगढ़ और करनाल में दोनों राजनेताओं विधायक सुरेंद्र पंवार और पूर्व इनेलो विधायक दिलबाग सिंह से संबंधित संस्थाओं के लगभग 20 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

फर्जी वेबसाइट बनाकर बेरोजगारों को नौकरी का दिया झांसा, 100 युवकों से लूटे 1.6 करोड़

राज्य में बदमाशों के हौसले बुलंद

भोपाल। फर्जी वेबसाइट बनाकर बेरोजगार युवक युवतियों को नौकरी लगवाने का झांसा देकर ठगने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच ने राजफाश कर दिया है। डीसीपी श्रुतकीर्ती सोमवंशी ने तीन महीने पहले इस मामले में मिले एक सुराग के बाद जांच शुरू करवाई थी। एसीपी सुजीत तिवारी की टीम पिछले तीन माह में अलग-अलग राज्यों में जाकर आरोपितों की जानकारी जुटा रही थी। जांच में यह बात सामने आई कि आरोपित द्वारा नौकरी डॉट कॉम से मिलती-जुलती एक वेबसाइट बनाकर इस पर बायोडाटा लिया एवं रजिस्ट्रेशन चार्ज वसूल किया जा रहा था। वेबसाइट संचालित करने के लिए आरोपित लगातार अपनी लोकेशन बदल रहे थे। पुलिस ने इस मामले में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके वाराणसी उत्तर प्रदेश निवासी ऋषभ दुबे को गिरफ्तार किया है। उसके बाकी साथियों की तलाश की जा रही है।आरोपित मध्य प्रदेश ,राजस्थान और छत्तीसगढ़ सहित अनेक राज्यों में अभी तक 100 से ज्यादा युवक युवतियों को अपना शिकार बनाकर 1.6 करोड़ की ठगी कर चुका है।

कई वेबसाइट बनाई

एसीपी सुजीत तिवारी ने बताया कि आरोपित अभी तक कई बार अपनी वेबसाइट का नाम बदल चुका है। जैसे ही कोई युवक युवती उसकी वेबसाइट पर विजिट करने के लिए आता है। वह रजिस्ट्रेशन कराने की बात करता है, इस प्रकार मोबाइल नंबर एवं ईमेल आइडी मिलने के बाद रजिस्ट्रेशन चार्ज के नाम पर रकम जमा करवाई जाती है। लगातार फर्जी नौकरी के बारे में सूचनाएं भेज कर बेरोजगारों को आकर्षित किया जाता है। इंटरव्यू एवं बाकी प्रोसेस के लिए अलग-अलग किस्तों में राशि जमा करवाई जाती है और बाद में नंबर ब्लॉक कर दिया जाता था।

महंगी कर लैपटॉप बरामद

साइबर क्राइम सेल के सब इंस्पेक्टर प्रमोद शर्मा ने नोएडा में छापा मारकर ऋषभ दुबे को महंगी कार एवं लैपटॉप के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित ने लोगों को झांसे में लेकर ठगी की राशि से लक्जरी कार, लैपटाप दो मोबाइल सहित भारी भरकम बैंक बैलेंस तैयार कर लिया था। पुलिस ने सभी सामान जब्त कर लिया हैं। आरोपित को भोपाल लाकर पूछताछ की जा रही है।

तापमान बढ़ने के बाद भी ठंड से ठिठुरी दिल्ली, सीवियर कोल्ड डे की संभावना

नई दिल्ली। कड़ाके की ठंड के बीच शुक्रवार को दिल्ली में सुबह के तापमान में वृद्धि देखने को मिली तो दृश्यता के स्तर में गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी तरफ मौसम विभाग ने आज भी सीवियर कोल्ड डे रहने की संभावना जताई है। साथ ही ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। शुक्रवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं कहीं मध्यम तो कहीं घने कोहरे के असर से आईजीआई एयरपोर्ट पर तड़के साढ़े तीन बजे दृश्यता का स्तर 150 मीटर तक रह गया। सुबह साढ़े पांच बजे तक यही स्तर बना रहा। इसके बाद इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 300 मीटर तक आ गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज दिन में आसमान साफ रहेगा। बीच बीच में धूप भी खिली रहेगी लेकिन कोहरे की हल्की परत के चलते उससे ज्यादा राहत नहीं मिलेगी। अधिकतम तापमान 13 डिग्री रह सकता है। ठिठुरन भरी ठंड दिल्ली वासियों को दिन भर ठिठुराती रहेगी। उधर नए साल के पांचवे दिन भी दिल्ली वासियों को प्रदूषित हवा से निजात नहीं मिली। सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 356 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

जन आभार यात्रा में शामिल होने आज रीवा आएंगे मुख्यमंत्री मोहन यादव

मध्यप्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव आज एक दिवसीय प्रवास और रीवा आएंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव पहले हेलीकॉप्टर से खजुराहो पहुंचेंगे, फिर कार से रीवा जाएंगे। पहले वे जबलपुर से रीवा के सैनिक स्कूल में बनाए गए हेलीपैड में उतरने वाले थे। सीएम डॉ. मोहन यादव शुक्रवार दोपहर रीवा के कॉलेज चौराहे में स्थित स्वामी विवेकानंद पार्क पहुचेंगे। स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर सीएम मोहन यादव जन आभार यात्रा में शामिल होंगे। जन आभार यात्रा शिल्पी प्लाजा बजार से होते हुए गुजरेगी इस दौरान जगह-जगह बनाए गए मंचों में हितग्राहियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों, व विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. मोहन यादव का आज पहली बार रीवा आ रहे हैं। इससे पूर्व मोहन यादव मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री के पद पर रहते रीवा आए थे। सीएम मोहन यादव आज 11.45 बजे खजुराहो से कार से निकलेंगे। वे दोपहर 2.45 बजे रीवा पहुंचेंगे। वे यहां निकलने वाली जन आभार यात्रा में शामिल होंगे। इसके बाद एनसीसी ग्राउंड पर सभा को संबोधित करेंगे। शाम को कलेक्टर के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। रीवा में मुख्यमंत्री डॉ यादव विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास तथा लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप हितलाभ वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री 43 स्कूटी, 5 मोटराइज्ड तिपहिया साइकिल एवं 16 तिपहिया साइकिलों का वितरण करेंगे। आमसभा के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भेंट करेंगे तथा सर्किट हाउस राजनिवास के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट में संभागीय समीक्षा बैठक में शामिल होकर कानून और व्यवस्था तथा विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद वे फिर खुजराहो रवाना होंगे, वहां से दिल्ली प्रस्थान करेंगे।

महाकाल क्षेत्र में पार्किंग वालों की गुंडागर्दी

एक्स्ट्रा चार्ज न देने पर राजकोट के भक्तों को पीटा

महाकाल थाना क्षेत्र मे चारधाम मंदिर के समीप स्थित पार्किंग स्टैंड पर राजकोट गुजरात के श्रद्धालुओ से मारपीट की घटना सामने आई है। दो कारों से श्रद्धालु आए थे व उन्होंने पार्किंग में कार खड़ी कर 50-50 रुपए की दो रसीद भी कटवाई थी, लेकिन वापसी में स्टैंड के कर्मचारियों ने ओवर टाइम का हवाला देते हुए 50-50 रुपए एक्स्ट्रा चार्ज मांगा व नहीं देने पर कार में सवार व्यक्ति को बाहर खींचकर पीटा। पिता के साथ मारपीट होते देख पुत्र व पुत्री बीचबचाव को आए तो उन्हें भी स्टैंड वालों ने बुरी तरह पीट दिया। पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है। बता दें कि राजकोट से व्यवसायी वीरेंद्र धोतरे दो कारों में सवार होकर परिवार के आठ सदस्यों के साथ आए थे व दर्शन के बाद उनके भाई, भतीजे व भतीजी के साथ पार्किंग स्टैंड के कर्मचारियों ने मारपीट की। घटना के बाद श्रद्धालु महाकाल थाने पहुंचे व पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराने के बाद स्टैंड कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। महाकाल थाना प्रभारी अजय वर्मा के मुताबिक मारपीट में स्टैंड कर्मी अशोक समेत दो-तीन अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

यह है पूरा घटनाक्रम राजकोट निवासी वीरेंद्र धोतरे ने बताया कि चारधाम के समीप पार्किंग में गाड़ी खड़ी करते समय दो कारों की 50-50 रुपए की रसीद कटवा पैसे देकर गए थे। वापसी में जब कार लेकर निकलने लगे तो पार्किंग वाले ने गेट पर रोक लिया, कहा कि 50-50 रुपए एक्स्ट्रा चार्ज दो। हमने रसीद दिखाई व कहा कि ढाई घंटे में आ गए, स्टैंड वाले बोले ये हमारा रूल्स है। जब भाई देवेंद्र ने कहा कि पुलिस को बुलाते हैं तो उन्हें खींचकर स्टैंड वाले अभद्रता व हाथापाई करने लगे। ये देख भतीजा हितेंद्र व भतीजी बीचबचाव को दौड़े तो स्टैंड के अन्य कर्मचारी आ गए व भतीजी को हाथ से धकेल दिया व भतीजे को जमकर पीटा।

इंदौर महानगर

सिटी चीफ

सिंगल कॉलम

इंदौर में रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी में भाजयुमो कार्यकर्ता की गले में चाकू घोंपकर हत्या

धर्म के आयोजन में यह कैसा अधर्म। महू नाका पर धक्का-मुक्की के दौरान विवाद, वीडियो फुटेज से मुख्य आरोपित गिरफ्तार। पदाधिकारियों ने कमिश्नर कार्यालय का किया घेराव।

इंदौर। शहर की आस्था और उल्लास का प्रतीक भगवान रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी में गुरुवार सुबह अप्रिय घटना हुई। युवाओं के दो समूहों के बीच मामूली विवाद के बाद हुई मारपीट में युवक की गले में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। वारदात के दौरान हजारों लोग वहां मौजूद थे। युवक को रक्तरंजित हालत में अस्पताल भेजा गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवक भारतीय जनता युवा मोर्चा का कार्यकर्ता था। वारदात से नाराज कार्यकर्ताओं ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया। पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जबकि उसके साथियों से पूछताछ की जा रही है। इंदौर में रणजीत अष्टमी पर रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी में युवकों के गुट भीड़ गए। चाकूबाजी में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई। अब मारपीट का वीडियो आया सामने जोन-4 के एडिशनल डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक घटना गुरुवार सुबह करीब 7.30 बजे की है। गोमा की फेल निवासी 23 वर्षीय शुभम रघुवंशी दोस्तों के साथ रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी देखने गया था। पालकी देखने के दौरान युवकों के एक अन्य समूह से विवाद हुआ और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। शुरुआत में शुभम और उसके साथी आरोपित पक्ष पर भारी पड़े और उनकी पिटाई की। इस दौरान एक युवक पीछे से आया और शुभम के गले में चाकू घोंप दिया। लहूलुहान हालत में शुभम वहीं गिर पड़ा। तेजी से खून बहता देख साथी उसे तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुभम मालवा मिल चौराहा पर रेस्त्रां चलाता था और भारतीय जनता युवा मोर्चा (वीर सावरकर मंडल) में कार्यालय मंत्री था। कार्यकर्ता की हत्या से नाराज भाजयुमो पदाधिकारियों ने पुलिस आयुक्त मकरंद देऊस्कर से मुलाकात कर आरोपितों को पकड़ने और उनके मकान ढहाने की मांग की। डिवाइडर पर चढ़ने की होड़ में हुई मारपीट घटना उस वक्त हुई जब हनुमान रथ अन्नपूर्णा रोड की तरफ मुड़ा। रथ देखने के लिए युवाओं का हुजूम डिवाइडर पर चढ़ा। इस दौरान वे असंतुलित होकर एक-दूसरे पर गिरने लगे। शुभम करीब 15 दोस्तों के साथ आया था। इसी धक्का-मुक्की के दौरान हुए विवाद में शुभम के दोस्तों ने आरोपितों की पिटाई कर दी। आरोपितों के साथ आए कृष्णा प्रजापत के सिर से खून निकलने लगा। उसे समीप खड़ी एम्बुलेंस में बैठाया ही था कि पीछे से एक युवक ने शुभम के गले में चाकू घोंप दिया खून से सना चाकू फेंकते देख लिया था चौकीदार ने घटना की सूचना पर एसीपी नंदनी शर्मा और टीआइ संजू कामले पहुंच गए। फुटेज निकाले तो दोनों पक्ष मारपीट करते हुए स्पष्ट नजर आए। आसपास पूछताछ करने एक चौकीदार ने बताया कि एक युवक को खून से सना चाकू फेंकते देखा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज दिखाए और शाम करीब पांच बजे भागीरथपुरा से यश गोधा को गिरफ्तार कर लिया। उसके साथ आए युवराज व अन्य से पूछताछ चल रही है। आयुक्त कार्यालय का घेराव शुभम बजरंग दल से जुड़ा था। भाजयुमो में भी सक्रिय था। हत्या की खबर सुनते ही हिंदू संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता एमवाय अस्पताल की मर्चुरी में एकत्र हो गए। यहां से पलासिया स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी की। आयुक्त से आरोपितों की गिरफ्तारी और मकान तोड़ने की मांग की गई।

हाई कोर्ट एसोसिएशन की तर्ज पर होंगे इंदौर अभिभाषक संघ के चुनाव, ऐसी रहेगी व्यवस्था

मतदाताओं के लिए मतदान से पहले नो ड्यूस करवाना अनिवार्य होगा, जनवरी के अंतिम सप्ताह में मतदान की उम्मीद।

इंदौर। इंदौर अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव की तर्ज पर होंगे। मतदाताओं के लिए मतदान से पहले अभिभाषक संघ के सभी बकाया शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य होगा। सिर्फ वे ही सदस्य मतदान में हिस्सा ले सकेंगे जिन्होंने संघ से नो ड्यूस प्राप्त कर लिया है। बकाया शुल्कों के भुगतान के लिए मतदान वाले दिन भी विशेष काउंटर लगाए जाएंगे, ताकि जो सदस्य पात्र होने के बावजूद सिर्फ इसलिए मतदान नहीं कर पा रहे हैं कि उन्होंने संघ के बकाया शुल्क नहीं चुकाए हैं, वे बकाया शुल्क जमा कर मतदान में हिस्सा ले सकें। राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा गठित विशेष समिति के सहसंयोजक एडवोकेट संजय मेहरा ने बताया कि इंदौर अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव के लिए तैयार संशोधित मतदाता सूची अभिभाषक संघ के कार्यालय में उपलब्ध करवा दी गई है। संघ के सदस्य 5 जनवरी तक इसका अवलोकन कर दावे और आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। दावे और आपत्तियों का निराकरण करने के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी। इसी अंतिम सूची के आधार पर मतदान करवाया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची तैयार होते ही मुख्य चुनाव अधिकारी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। जनवरी में ही होंगे चुनाव मेहरा ने बताया कि राज्य अधिवक्ता परिषद ने विशेष समिति का गठन वार्षिक चुनाव संपन्न कराने के लिए किया है। विशेष समिति का प्रयास है कि वार्षिक चुनाव जनवरी के अंत तक अनिवार्य रूप से करवा लिए जाएं। अंतिम सूची का प्रकाशन होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी के नाम की घोषणा की जाएगी। मुख्य चुनाव अधिकारी ही चुनाव कार्यक्रम घोषित करेंगे। इस बात की पूरी संभावना है कि वार्षिक चुनाव जनवरी माह में ही होंगे। हर बार की तरह इस बार भी मतदान वाले दिन ही देर रात तक परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

स्वच्छ इंदौर अब अपने फोन का वेस्ट भी साफ करे- ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर फिर से स्वच्छता में नंबर वन बन गया। यह तो इंदौर का संस्कार है। सफाई इसलिए नहीं रखना है की नंबर वन बनना है बल्कि इसलिए रखना है की हमे सफाई रखना है। कल अगर कोई और शहर नंबर वन आये तो उसके लिए भी हमारे लिए दुआ निकलना चाहिए। हमारे मन में उसके लिए ऐसे शब्द न निकले जिससे ऐसा प्रतीत हो हमारा मन मेला है। हमारे संकल्प परफेक्ट होना चाहिए।यह बात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रेरक वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने शुक्रवार को अभय प्रशाल, रेसकोर्स रोड पर कही। वे दुआओं का बैंक बैलेंस विषय पर संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा की कलयुग का संस्कार है खुद को मोबाइल की स्क्रीन में क़ैद करना। वो चित्र जो लेते हैं वो सोशल मीडिया पर डालने के लिए, हम चाहते है कि लोग उसे पसंद करे। कभी सोचे उस चित्र को खींचने से किस तरह कि ऊर्जा मिलती हैं। यह बात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रेरक वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने शुक्रवार को अभय प्रशाल, रेसकोर्स रोड पर कही। वे दुआओं का बैंक बैलेंस विषय पर संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा की कलयुग का संस्कार है खुद को मोबाइल की स्क्रीन में क़ैद करना। वो चित्र जो लेते हैं वो सोशल मीडिया पर डालने के लिए, हम चाहते है कि लोग उसे पसंद करे। कभी सोचे उस चित्र को खींचने से किस तरह कि ऊर्जा मिलती हैं आपके संकल्प में इतना शक्ति होती है की प्रकृति, शरीर, आपके पशु, पक्षी आपके अपनों को मिलती है। आज से हर संकल्प में झूठ बोलना है। वह नहीं बोलना जो है वह बोले जो आप चाहते हैं। आप किसको अच्छा बोलेंगे तो आप और वे दोनों अच्छे बन जाएंगे। अपने को दुआ दे की फोन का सही उपयोग करेगे। फोन पर ऐसे वीडियो न भेजे जो निचले स्तर के कंटेंट वाले हैं।आप अनुचित कंटेंट वायरल करते है तो उसके दुष्प्रभाव का दोष भी आपको लगता है। दूसरों को सड़ा हुआ खाना खिलाने के समान है। अनुचित वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल करना है। स्वच्छ शहर के लोगों को अपना फोन का वेस्ट भी साफ करना है। शिवानी दीदी ने कहा कि इंदौर सफ़ाई में नंबर

वन बना यह शहर का संस्कार हैं। शहर का संस्कार रखना कि शहर में स्वच्छता बनी रहे, नंबर 1 के लिए एडिक्ट न रहे। यदि कोई इंदौर को देख दूसरा शहर नंबर वन आए। हर शहर इंदौर से इतना सीखे हम नंबर लास्ट आए। जीना कैसे हैं और जाना कैसे हैं उसकी तैयारी करें जितना ध्यान हम फोटो पर रखते है उतना संकल्पों पर ध्यान दें तो देवी-देवता बन जाएंगे। जीना कैसे हैं और जाना कैसे हैं उसकी तैयारी करें। दुवाओ का बैंक बैलेंस बढ़ाने की सोच रखना चाहिए। वर्तमान युग में हमे खुद या दूसरों को तैयार रखने का समय नहीं मिलता हैं। जो चीज होने वाली हैं उसके लिए खुद को तैयार रखे। तैयारी न होने से डरते हैं, जब कोई शरीर छोड़ता हैं तो उसके लिए तैयार नहीं रहता हैं, दुखी होते हैं। जीते हुए तो एक दूसरे को दुआयें दे दी जब कोई दुनिया से जाता है तो भी दुआ दे। हम दर्द देते हैं जो दुआ का विपरीत हैं। कोई जा रहा हैं तो उसे दुआ दे आपका नया परिवार, भाग्य श्रेष्ठ होगा, हम यहां ठीक हैं, आप हमारी चिंता न करे कहे। शिवानी दीदी बोली सामने वाला कैसा भी जो अच्छा न लगता है उसे भी कहे कि वो बहुत अच्छे हैं, बहुत अच्छा बहुत अच्छा बोलते हुए आप पॉजिटिव होंगे और आपकी कही ये बात उन्हें भी बेहतर बना देगी। जो ग़लत कह रहा। या बोल रहा माने वो उसके पूर्व के संस्कारों के कारण हैं। इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन की लेडिज विंग की अध्यक्ष प्रियंका जैन और मार्गदर्शक रेखा जैन ने बताया कि आयोजन का लाभ हजारों लोग ने लिया। कार्यक्रम में मंत्री तुलसी सिलावट, कलेक्टर इलैया राजा, निगमायुक्त हर्षिका सिंह मौजूद रहे। ब्रह्माकुमारी अनिता दीदी ने बताया कि शिवानी दीदी के आध्यात्मिक उद्बोधन के पश्चात उस आध्यात्मिक यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए मुंबई से पधारे ख्याति प्राप्त वक्ता प्रोफेसर ईवी गिरीश के सान्निध्य में 6 जनवरी से 10 जनवरी तक 5 दिवसीय आध्यात्मिकता के पथ पर जीवन उत्सव शिविर आयोजित किया जाएगा।

जिस तरह रामसेतू बनाने में गिलहरी का योगदान था, वैसे ही राम मंदिर में हमारा

सिटी चीफ इंदौर।

बात वर्ष 1989 की है। उस समय राम मंदिर आंदोलन जोरों पर था। मैं उस वक्त बजरंग दल में महानगर सहसंयोजक था। यह कहना है बजरंग दल के दिनेश पांडे का। उन्होंने बताया कि हम 300 लोग थे, जो अलग-अलग जत्थे के रूप में अयोध्या के लिए निकले थे। हमने तय किया था कि अयोध्या पहुंचने से पहले एक-दूसरे से बात नहीं करेंगे और एक ही वाहन में सवार होने के बावजूद एक-दूसरे से अनजान बने रहेंगे। तय समय पर ट्रेन से लखनऊ के लिए रवाना हुए। लखनऊ से हमें बसों से अयोध्या जाना था। रास्ते में बसों की जांच भी हो रही थी। हम सभी ने दो जोड़ी कपड़ों के अलावा और कोई सामान साथ नहीं रखा था। आखिर हम अयोध्या पहुंच गए। वहां मुलाकात ऋतुंबरा दीदी, परमानंदजी, विनय कटियार, अशोक सिंघल, जयभानसिंह पवैया सहित कई बड़े नेता मिले। हमें राम चबूतरे का निर्माण करना था। तय समय पर ट्रेन से लखनऊ के लिए रवाना हुए। लखनऊ से हमें बसों से अयोध्या जाना था। रास्ते में बसों की जांच भी हो रही थी। हम सभी ने दो जोड़ी कपड़ों के अलावा और

कोई सामान साथ नहीं रखा था। आखिर हम अयोध्या पहुंच गए। वहां मुलाकात ऋतुंबरा दीदी, परमानंदजी, विनय कटियार, अशोक सिंघल, जयभानसिंह पवैया सहित कई बड़े नेता मिले। हमें राम चबूतरे का निर्माण करना था। राम चबूतरा निर्माण में योगदान तय योजना के अनुसार हम सभी संतों के आश्रमों में ठहर गए, वहीं हमारे खाने-पीने का इंतजाम भी था। जिस स्थान पर चबूतरे का निर्माण किया जाना था उसके चारों तरफ पुलिस का पहरा था। तय योजना के मुताबिक हमें सुबह नित्यकर्म के बाद कार सेवा में जुटना होता था। मैं करीब एक सप्ताह वहां रहा। मुझे इस बात का गर्व है, जिस तरह से राम सेतु तैयार करने में गिलहरी ने योगदान किया था उसी तरह मैं भी राम चबूतरा निर्माण में सहभागी बन सका। उस समय अयोध्या में जबर्दस्त तनाव था। वहां की बातें याद कर आज भी मैं रोमांचित हो जाता हूं।

इंदौर में डकैतों ने सलवार से वृद्धा का गला घोंटा, घर की तलाशी लेकर भाग निकले

राजमहल कालोनी में गुरुवार सुबह डकैती की कोशिश हुई। हाथ में पिस्टल लेकर छह बदमाश प्रापर्टी ब्रोकर के घर में घुस गए। बदमाशों ने 68 वर्षीय वृद्धा का सलवार से गला घोंटा और पीठ पर चढ़कर बैठ गए। पुलिस को आरोपितों के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। संदेही कार के आधार पर तलाश जारी है।जूनी इंदौर थाना पुलिस के मुताबिक, सनसनीखेज घटना सुबह करीब सात बजे की है। 70 वर्षीय गोविंदसिंह टूटेजा प्रतिदिन की घर से 25 फीट दूर स्थित बगीचे में टहलने गए थे। बेटा हरमीत उर्फ प्रिंस टूटेजा प्रथम मंजिल पर सो रहा था। पत्नी मनजीत कौर गुरुद्वारा जाने की तैयारी कर रही थी। तभी बदमाश दनदनाते हुए घर में घुस गए। मनजीत कुछ बोलती इसके पूर्व बदमाश ने चुप रहने की हिदायत दी। बदमाशों के हाथों में पिस्टलें भी थीं।

मप्र बोर्ड की तीसरी से सातवी कक्षा की परीक्षा 27 फरवरी से, रिजल्ट अप्रैल में

सिटी चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने छोटी कक्षाओं की परीक्षाओं को महीनेभर पहले करवाना तय किया है। केंद्र ने तीसरी से लेकर सातवीं कक्षा की परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। 27 फरवरी से पेपर शुरू होंगे। ठंड को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने परीक्षा का समय दोपहर को रखा है। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर 2 से शाम 4.30 बजे के बीच पेपर होंगे।केंद्र ने गुरुवार को पहले पांचवीं और आठवीं बोर्ड परीक्षा का टाइम टेबल जारी किया, जो 6 से 13 मार्च के बीच संपन्न करवाई जाएगी। ऐसा पहली बार हुआ है जब 5वीं-8वीं से केंद्र ने पहले तीसरी, चौथी, छठी और सातवीं कक्षा की परीक्षा करवाएगा, क्योंकि इसके बाद बोर्ड परीक्षाओं में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाए। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं के लिए स्कूल खाली मिल सके। तीसरी और चौथी कक्षा की परीक्षा 27 फरवरी से 2 मार्च तक चलेगी। केंद्र ने बिना छुट्टी दिए बच्चों की परीक्षा करवाने का फैसला लिया है। पांच विषय के पेपर लगातार रखे गए है। छठीं और सातवीं कक्षा की परीक्षा 27 फरवरी से 4 मार्च तक चलेगी। इन्हें सिर्फ एक दिन की अवकाश रहेगा, क्योंकि 3 मार्च को रविवार आया है। केंद्र ने दिव्यांग विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय देने को कहा है। अधिकारियों के मुताबिक परीक्षा होने के बाद शिक्षकों को तुरंत कापियां जांचना है। 40 दिन में मूल्यांकन कार्य खत्म कर रिजल्ट देना है। 50 हजार विद्यार्थी देंगे परीक्षा परीक्षा शेड्यूल आने के बाद अब स्कूलों को प्रक्रिया शुरू करने है।सरकारी और निजी स्कूल में तीसरी-चौथी, छठी और सातवीं कक्षा में करीब पचास हजार छात्र-छात्राएं है, जो 27 फरवरी से परीक्षा में बैठेंगे। अधिकारियों के मुताबिक छोटी कक्षाओं के बाद बोर्ड परीक्षाएं होगी।

इंदौर का स्वच्छता का सातवां आसमान छुना लगभग तय, आज शाम तक लग जाएगी मुहर

सिटी चीफ इंदौर।

स्वच्छता में लगातार छह बार देशभर में पहले नंबर पर रहने वाले इंदौर इस बार स्वच्छता का सातवां आसमान छुना लगभग तय है। शुक्रवार शाम तक इस पर मुहर लग सकती है। हर बार की तरह इंदौर का दावा इस बार भी मजबूत ही है। इसकी वजह है कि हर बार की तरह इंदौर ने इस बार भी कई नवाचार किए। इनमें वेस्ट टू आर्ट, 3-आर और प्लास्टिक मुक्त इंदौर शामिल हैं। एक बड़ी बात यह भी है कि इंदौर के पास सेवन स्टार शहर का तमगा है। यानी स्वच्छता मार्किंग में सेवन स्टार के लिए तय 1375 अंक हमें मिलना तय हैं। इसके अलावा इंदौर के पास वाटर प्लस सिटी का पुरस्कार भी है। इसके लिए निर्धारित 1125 अंक भी मिलना तय है।स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग 11 जनवरी को दिल्ली में घोषित होना है, लेकिन जिन शहरों को पुरस्कृत किया जाना होता है उन्हें एक सप्ताह पहले ही रिहर्सल के लिए सूचना दे दी जाती है। इंदौर में अधिकारियों को पूरी उम्मीद है कि शुक्रवार शाम तक उन्हें रिहर्सल के लिए फोन आ जाएगा। ये है मजबूत दावे की वजह -इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 9500 अंक का है। हमारा दावा इसलिए मजबूत था क्योंकि हमें सेवन स्टार के 1375 और वाटर प्लस सिटी के लिए 1125 यानी 2500 अंक मिलना तय हैं। -कचरा कलेक्शन के लिए सर्वे में 1600 अंक निर्धारित थे। इंदौर के डोर टू डोर कचरा कलेक्शन सिस्टम को देशभर में माडल सिस्टम के रूप में पहचाना जाता है। इंदौर के पास देश का सबसे बड़ा बायो सीएनजी प्लांट भी है। इस प्लांट में कचरे से तैयार होने वाली सीएनजी का इस्तेमाल सिटी बसों में किया जा रहा है। कचरे के निबटान के लिए सर्वे में 1910 अंक रखे गए थे। इंदौर को कचरा कलेक्शन और कचरा निबटान के अंक मिलने में भी कोई खास दिक्कत नहीं आई। -सफाई मित्र सुरक्षा के लिए 1320 अंक रखे गए थे। इंदौर को ये अंक भी आसानी से मिल जाएंगे क्योंकि इंदौर में सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा के लिए जोन कार्यालयों पर विशेष शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा कई योजनाएं भी लागू की गईं हैं। -सर्वेक्षण में सर्टिफिकेशन (दस्तावेजीकरण) के 2500 अंक रखे गए हैं। इंदौर के दस्तावेजीकरण को आदर्श माना जाता है। ऐसे में ये अंक भी

इंदौर के चिड़ियाघर में आएगा नया मेहमां, अफ्रीकन जेब्रा बढ़ाएगा शान

सिटी चीफ इंदौर।

कोई मेहमां घर में आए तो जैसी खुशियां छा जाती हैं, वैसी ही खुशियां कुछ समय बाद इंदौर को भी मिल सकती हैं। दरअसल, यह नया मेहमां कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय अर्थात चिड़ियाघर में आ सकता है। इसके लिए कवायदें तेज हो गई हैं और नए मेहमान के बाड़े के लिए जगह भी सुनिश्चित कर ली गई है। यह मेहमान होगा अफ्रीकन जेब्रा। चिड़ियाघर प्रबंधन ने एनिमल एक्सचेंज के तहत उन शहरों को प्रस्ताव भेजा है, जहां अफ्रीकन जेब्रा है।बदले में उन चिड़ियाघरों से पूछा गया है कि उन्हें कौन-से जानवर चाहिए। बता दें कि इंदौर के चिड़ियाघर से शेर, बाघ, चीतल, हिरण आदि की संख्या बहुतायत में है इसलिए इन्हें दिया जा सकता है अब उन शहरों से उत्तर की प्रतीक्षा की जा रही है। विशेष बात यह होगी कि अफ्रीकन जेब्रा के आने पर इंदौर चिड़ियाघर प्रदेश में एकमात्र होगा, जहां यह शानदार प्राणी होगा। दरअसल, तीन साल पहले से जेब्रा लाने को लेकर चिड़ियाघर प्रशासन ने योजना बनाई थी। अफ्रीकन जेब्रा के लिए मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भौंसले चिड़ियाघर को प्रस्ताव भेजा था। साथ ही सेंट्रल जू अथारिटी से एनिमल एक्सचेंज के तहत अनुमति चाही है। वहां से हरी झंडी मिल

गई। मगर फिर कोरोना संक्रमण काल की वजह से योजना ठंडे बस्ते में चली गई। दीपावली बाद एक बार फिर जेब्रा को लेकर कवायद तेज हुई। इस बार मुंबई के अलावा बेंगलुरु और अहमदाबाद से जेब्रा मांगा गया है। प्रस्ताव में चिड़ियाघर ने अपने पास मौजूद जानवरों की सूची बनाकर दे दी है। उसके आधार पर एनिमल एक्सचेंज के तहत जेब्रा को लाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक चिड़ियाघर के पास बाघ, शेर, हिरण, चीतल और सियार है। इनकी संख्या चिड़ियाघर में काफी हो चुकी है इसलिए इन्हें आसानी से दूसरे चिड़ियाघर को दिया जा सकता है। चिड़ियाघर अधिकारी निहार पारुलकर ने बताया कि जेब्रा को लेकर प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है। 245 विदेशी पक्षी, जानवर आए चिड़ियाघर में कई बार एनिमल एक्सचेंज के तहत जानवरों को लाया गया है। जामनगर चिड़ियाघर को पांच बाघ और छह शेर दिए गए थे। बदले में वहां से 80 से ज्यादा प्रजातियों के 245 से ज्यादा विदेशी पक्षी और जानवरों को लाया गया है। इनमें सांप, मकाऊ, इगुआना, कछुए, पाकेट मंकी, फिनएच, कानोट, लारी सहित अन्य पक्षी शामिल हैं। 1300 से ज्यादा वन्यप्राणी 52 एकड़ में फैले अपने चिड़ियाघर में 1300 से ज्यादा वन्यप्राणी हो चुके हैं। इनमें नौ शेर, 11 बाघ व चार तेंदुए भी शामिल हैं। इनमें से 10 शावकों ने बीते 11 महीने में जन्म लिया है। साथ ही हिरण और सियार की संख्या भी पचास से अधिक है। यहां स्केन और बर्ड हाउस भी बना रखा है, जो इन दिनों दर्शकों को काफी आकर्षित करने में लगा है। बर्ड हाउस में 40 से ज्यादा प्रजातियों के पक्षी हैं। इनमें ग्रीन विग मकाऊ, ब्लू एड गोल्ड मकाऊ, कैपडोवे, लारी, उड़ने वाली गिलहरी, ग्लाइडर सहित कई पक्षी शामिल हैं।

भोपाल, जबलपुर समेत कई जिलों में बनेगा गोवंश वन्य विहार

अभी सिर्फ रीवा के इस स्थान पर है मौजूद

सिटी चीफ भोपाल।
रीवा के बाद अब जबलपुर, टीकमगढ़, मंदसौर और भोपाल-रायसेन जिले के बीच भी निराश्रित गोवंशीय पशुओं के लिए गोवंश वन्य विहार बनाए जाने की तैयारी है। मध्य प्रदेश गो संवर्धन बोर्ड ने इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिस पर शासन स्तर पर चर्चा भी की गई है। जल्द ही राजस्व विभाग द्वारा भूमि उपलब्ध कराने के बाद इनका काम शुरू कर दिया जाएगा।बसामन मामा में गोवंश वन्य विहार

बता दें कि रीवा के बसामन मामा स्थान में पहला गोवंश वन्य विहार बनाया गया है, जो लगभग 64 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। इसमें पशुपालन विभाग द्वारा चिह्नित लगभग छह हजार निराश्रित गोवंश रखे गए हैं। इसका संचालन करने के लिए समिति गठित की गई है, जिसमें एक प्रबंधक, दो सहायक प्रबंधक, तीन पुरुष और छह महिला कर्मचारी शामिल हैं।

उद्योग उपक्रमों के सीएसआर फंड के सहयोग से दो करोड़ रुपये बैंक में स्थायी निधि के तौर पर जमा कराया गया है। इसके ब्याज से हर महीने कर्मचारियों को मानदेय दिया जाता है, जिसमें महिलाकर्मी को पांच और पुरुष कर्मचारियों को छह हजार रुपये दिए जाते हैं। अभी 8.50 लाख निराश्रित गोवंश - वर्ष 2019 की 20वीं गणना के अनुसार राज्य में निराश्रित गोवंशों की संख्या आठ लाख 50 हजार है। 21वीं पशु गणना में इनकी संख्या लगभग नौ लाख के पार पहुंचने की संभावना है। इन बिंदुओं पर तैयार किया गया प्रस्ताव राजस्व विभाग द्वारा लगभग 50 एकड़ भूमि उपलब्ध करानी होगी। वन विभाग को भूमि चिह्नित करनी होगी। पशुपालन विभाग द्वारा निराश्रित एक हजार गोवंश चिह्नित किए जाएंगे। मनरेगा द्वारा गोशालाओं को दिए जाने वाले फंड के तहत 10 गोशाला के हिसाब से तीन करोड़ 80 लाख रुपये देने होंगे। इनका संचालन रजिस्टर्ड एनजीओ या संस्था द्वारा कराया जाएगा।

पांचवीं-आठवीं बोर्ड की परीक्षाएं छह मार्च से होंगी, समय सारिणी जारी

सिटी चीफ भोपाल।
राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित पांचवीं-आठवीं की बोर्ड परीक्षा छह मार्च से शुरू होंगी। परीक्षा लोकसभा चुनाव के पहले 14 मार्च तक समाप्त हो जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने गुरुवार को समय-सारिणी जारी कर दी है। परीक्षा में निजी व शासकीय स्कूलों के विद्यार्थी शामिल होंगे। पांचवीं और आठवीं में इस साल करीब 24 लाख छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। गौरतलब है कि पिछले साल इन परीक्षाओं में 22 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक पांचवीं की परीक्षा छह से 13 मार्च तक होंगी। परीक्षा का समय सुबह नौ से 11.30 बजे तक रहेगा। परीक्षा में पहला पेपर छह मार्च को प्रथम भाषा हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, उर्दू का होगा। सात मार्च को गणित अथवा दृष्टिबाधितों के लिए संगीत, 11 मार्च को द्वितीय भाषा अंग्रेजी, हिंदी, 12 मार्च को पर्यावरण अध्ययन, 13 मार्च को अतिरिक्त भाषा हिंदी, संस्कृत, उर्दू, पंजाबी का पेपर होगा। आठवीं का परीक्षा कार्यक्रम जबकि आठवीं की परीक्षा छह से 14 मार्च तक होगी। परीक्षा का समय सुबह नौ से 11.30 बजे तक रहेगा। आठवीं परीक्षा में पहला पेपर छह मार्च को प्रथम भाषा हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी का होगा। सात मार्च को गणित अथवा दृष्टिबाधितों के लिए संगीत का पेपर होगा। 11 मार्च सोमवार को द्वितीय भाषा अंग्रेजी अथवा हिंदी का होगा। 12 मार्च को विज्ञान, 13 मार्च को तृतीय भाषा संस्कृत, हिंदी, उर्दू, मराठी, पंजाबी, गुजराती व मूकबधिरों के लिए चित्रकला की परीक्षा होगी। 14 मार्च को आखिरी पेपर सामाजिक विज्ञान का होगा।

युवक नाबालिग के साथ कर रहा था छेड़छाड़, मामला दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।
कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली 13 वर्षीय नाबालिग ने छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कब्बी उर्फ कुबेर पुत्र के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि आरोपित लगभग एक माह से उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा है। कई बार पीड़िता ने इसका विरोध किया पर वह नहीं माना। उसकी करतूतों से परेशान होकर पीड़िता ने पूरी बात अपने परिजनों को बताई। इसके बाद पीड़िता की मां उसे लेकर थाने पहुंची और आरोपित के खिलाफ एफआइआर दर्ज करवाई। पुलिस का कहना है कि आरोपी नाबालिग को एक माह से छेड़ रहा था।नशीला पदार्थ देकर मंगेतर ने किया युवती से दुष्कर्म सगाई के बाद मंगेतर ने युवती को मिलने बुलाया और बहोड़ापुर क्षेत्र के होटल में ले जाकर दुष्कर्म कर दिया। युवती का आरोप है कि आरोपित युवक ने उसे नशीला पेय पदार्थ भी पिलाया था। पुलिस ने युवती की शिकायत पर एफआइआर दर्ज कर ली है। आठ महीने पहले दतिया की रहने वाली 21 वर्षीय युवती की दोस्ती आरोपित धौलपुर निवासी सत्यम बाथम से हुई थी। बीती आठ सितंबर को युवती अपने भाई और सहेली के साथ ग्वालियर आई और यहां आकर उसने सत्यम से सगाई कर ली। सड़क पार करती महिला को कार ने टक्कर मारी, मौतलापरवाही से वाहन चलाते हुए एक कार चालक ने गुरुवार को पड़ाव थाना क्षेत्र में महिला को टक्कर मार दी। घायल हुई महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि मुरैना की रहने वाली 45 वर्षीय लक्ष्मी अपने बीमार रिश्तेदार को देखने ग्वालियर आई थी। रिश्तेदार को देखने के बाद वह परिवार के दो अन्य लोगों के साथ घर जा रही थी। पड़ाव थाना क्षेत्र स्थित मानसिंह प्रतिमा के पास जब वह सड़क पार कर रही थी तभी विपरीत दिशा से आ रही कार ने लापरवाही के चलते लक्ष्मी को टक्कर मार दी। गंभीर घायल लक्ष्मी को जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जनजातीय संग्रहालय में करें भील चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन

बिड़ला संग्रहालय में डाक टिकट प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शुक्रवार 05 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।डाक टिकट प्रदर्शनी - जीपी बिडला संग्रहालय में चल रही कला समय पत्रिका के प्रदर्शन में डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में लगभग 500 से अधिक टिकटों को प्रदर्शित किया जा रहा है। इसे सुबह साढ़े दस बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्टीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है।

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का शुभारंभ आज होगा। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है।

पुरातत्व प्रदर्शनी - राज्य संग्रहालय में डा. वीएस वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान द्वारा प्रदेश भर में निष्पादित पुरातत्वीय कार्यों और शैलश्रालयों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

वैदिक ब्राह्मण क्रिकेट प्रतियोगिता आज से,धोती-कुर्ता में चौके-छक्के जमाएंगे खिलाड़ी

संस्कृत में सुनाया जाएगा मैच का आंखों देखा हाल

सिटी चीफ भोपाल।
हर वर्ष की तरह इस बार भी शिवाजी नगर के अंकुर खेल मैदान पर शुक्रवार से चार दिवसीय वैदिक ब्राह्मणों की क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हो रही है। इसमें विभिन्न टीमों की ओर से खेलने वाले पंडित मैदान पर धोती-कुर्ता पहने चौके-छक्के जमाने और गेंदबाजी व क्षेत्ररक्षण करते दिखेंगे। इतना ही नहीं, कामेंट्री बाक्स में बैठकर मैच का आंखों देखा हाल भी संस्कृत में सुनाया जाएगा।संस्कृति बचाओ मंच और आयोजन समिति की ओर से जीतने वाली टीम के सदस्यों को अयोध्या श्रीरामलला के दर्शन के लिए ले जाया जाएगा। समिति के प्रमुख चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि इस वर्ष भी महर्षि मैत्री मैच टूर्नामेंट का आयोजन अंकुर खेल मैदान में में पांच से आठ जनवरी तक किया जा रहा है। इसमें प्रथम, द्वितीय पुरस्कार व मैन आफ द मैच के पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय संस्कृति, संस्कार और संस्कृत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। आयोजन समिति के अभिषेक शास्त्री, अंकुर शास्त्री, अवनीश त्रिवेदी ने बताया कि इस कार्यक्रम में संस्कृत में ही कामेंट्री की जाएगी। इसमें राजधानी सहित अन्य शहरों के भी वैदिक ब्राह्मण शामिल होंगे। जितेंद्र आव्हाड का मुंह काला करने वाले को एक लाख रुपये इनाम की घोषणा

संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने भगवान राम के बारे में विवादित टिप्पणी करने वाले एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड को गंजा करने व मुंह काला करने वाले को 1,00,000 रुपये का पुरस्कार देने का ऐलान किया है। तिवारी ने कहा कि जितेंद्र आव्हाड भगवान श्रीराम के बारे में कुछ भी नहीं जानते वह सिर्फ अपनी पब्लिसिटी के लिए इस प्रकार के अनर्गल बयान देते हैं। सदियों के इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। संस्कृति बचाओ मंच सनातन धर्म का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। यदि वे मप्र में आएंगे तो उनका मुंह हम स्वयं काला करेंगे। यदि कोई उनको गंजा करके उनका मुंह काला करके आता है तो उसे 1,00,000 की राशि सम्मान के रूप में प्रदान की जाएगी।

बिन बताए बंद कर दी एलआइसी तिराहा सड़क,बढ़ी परेशानी

सिटी चीफ भोपाल।
पिछले दिनों से पड़ाव-फूलबाग क्षेत्र के लिए सिरदर्द बनी एलआइसी तिराहा सड़क को गुरुवार दोपहर अचानक बंद कर दी गई। इससे हैरत में पड़े वाहन चालक परेशान हो गए और कुछ वापस लौटे तो कई वैकल्पिक मार्ग तलाशकर गंतव्य तक पहुंचे। हैरानी की बात यह है कि शहर के बीचों-बीच एक मार्ग को बंद कर दिया गया और जिम्मेदार विभाग नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस को खबर ही न थी। निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार ने मनमाने ढंग से पूर्व सूचना दिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी जिससे हजारों लोग मुसीबत में पड़ गए। पहले यहां अचानक ट्रैफिक डायवर्ट करने की गलती पुलिस ने की थी और अब ठेकेदार ने पूरी सड़क ही बंद कर दी।रास्ता रोकने के लिए बेरीकेड से ज्यादा ट्रैक्टर-ट्राली और जेसीबी को सड़क पर खड़ा कर दिया गया। बिना पूर्व सूचना के बंद हुए रास्ते से न सिर्फ शहर का ट्रैफिक लोड बढ़ा बल्कि शहरवासियों को जाम में फंसे रहना पड़ा। इस परेशानी का सामना लोगों को देर रात तक करना पड़ा। जिन लोगों को फूलबाग चौराहे या इंदरगंज जाना था उन्हें एजी पुल के नीचे से होते हुए लंबा चक्कर काटकर अचलेश्वर होते हुए जाना पड़ा। बता दें कि गुरुवार को सीएम के दौरे के चलते शहर का ट्रैफिक पहले से ही डायवर्ट था उस पर भी एलआइसी की मुख्य सड़क को बंद कर निगम ने शहरवासियों का सिरदर्द बढ़ा दिया।

25 करोड़ से तैयार होगी वन्य जीव प्रबंधन योजना

सिटी चीफ भोपाल।
ग्वालियर की रिंग रोड के पूरा करने के लिए प्रस्तावित वेस्टर्न बाइपास प्रोजेक्ट के लिए इंटीग्रेटेड वन्य जीव प्रबंधन योजना तैयार की जाएगी। सोन चिरैया अभयारण्य क्षेत्र से हाइवे निकलने के कारण ऐसे प्रोजेक्टों में मैनेजमेंट प्लान तैयार किया जाता है इसलिए वन विभाग इसे तैयार करके देगा। लगभग 25 करोड़ इस प्लान पर खर्च होंगे, जो निर्माण एजेंसी की ओर से खर्च किया जाएगा।अभयारण्य क्षेत्र से बाइपास निकलेगा तो प्लान में वन्यजीवों की सुरक्षा से लेकर प्रबंध तक सब शामिल किया जाता है। डीएफओ अंकित पांडेय इस प्रोजेक्ट को तैयार कर रहे हैं। बाइपास को लेकर सभी एनओसी भी आ चुकी हैं और अब प्रोजेक्ट गति पकड़ेगा। बरौआ नूराबाद से नयागांव पनिहार तक 28 किमी का वेस्टर्न बाइपास के लिए 145 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसमें वन विभाग से लेकर सरकारी जमीन भी शामिल हैं। इसमें निजी 34 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन भी प्रभावित होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट की कुल सिविल कास्ट 522 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस पूरे बाइपास पर एक टोल प्लाजा भी रहेगा, जो सौंजना गांव में बनेगा। इसके साथ ही पनिहार पर रेलवे ओवरब्रिज, फ्लाईओवर, सर्विस रोड, एनिमल अंडर पास व बाक्स क्रासिंग भी बनाया जाना प्रस्तावित हैं। पिछले दिनों जमीनों को लेकर जो विवाद सामने आ रहे थे वह संयुक्त भ्रमण के बाद हल कर दिए गए हैं। अब भूमि अधिग्रहण का काम जारी है इसके बाद एनओसी आते ही काम शुरू कर दिया जाएगा। वेस्टर्न बाइपास तैयार होने से एक बड़ा विकल्प सीधे शहर के ट्रैफिक से बचाते हुए पहुंचने का मिल सकेगा। यह ईस्टर्न हाइवे को जोड़ने वाला बाइपास होगा जिसके बाद ग्वालियर में एक रिंग रोड तैयार हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट में फारेस्ट और वाइल्ड लाइफ की स्वीकृति भी आ गई है।

बिजली गुल से आज 80 हजार से ज्यादा आबादी होगी प्रभावित

सिटी चीफ भोपाल।
संधारण एवं निर्माण कार्य के लिए विद्युत वितरण कंपनी के पांच फीडरों पर बिजली सप्लाई बंद रखेगी। इससे करीब अस्सी हजार की आबादी प्रभावित होगी। नगर संभाग उत्तर के 33 केवी लधेड़ी व मुरार फीडर पर सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक बिजली बंद रहेगी।इससे 11 केवी प्रेमनगर गोसपुरा 1,2, डा. साहनी के पीछे, हरिजन बस्ती, पोस्ती खाना, गोलपाड़ा, मैदाई मोहल्ला, अनाजगंज, गुदड़ी मोहल्ला, पच्छी पाड़ा, चूड़ी मार्केट, लोहा मंडी, कोटा वाला मोहल्ला, खिड़की मोहल्ला, 11 केवी सुभाष नगर चार शहर का नाका, मानसिंह कालेज के आसपास का क्षेत्र, रसूलाबाद, खंडेश्वरी मंदिर, ठाकुर मोहल्ला, 11 केवी तानसेन नगर लाइन आठ, नौ, 10, 11, 12, 13, 14 हजीरा, कुटीयाना मोहल्ला चार शहर का नाका, 11 केवी श्याम मंदिर सिमको लाइन, न्यू एवं ओल्ड चन्दनपुरा, लाइन 3, 11 केवी संजय नगर फीडर संपूर्ण गदाईपुरा क्षेत्र, संजय नगर, श्रीकृष्ण नगर, गोपाल नगर, 11 केवी आरा मिल न्यू कालोनी दो, तीन, कालोनी एक, मानमंदिर के आसपास का क्षेत्र, आरा मिल, कोरी समाज दफ्तर, के आसपास का क्षेत्र प्रभावित रहेगा। 11 केवी रेशम बिहार, मानसिंह विद्यालय, बिरला नगर क्षेत्र, रेयन कालोनी, जत्ती की लाइन, असिस्टेन्ट लाइन, श्याम मंदिर, 11 केवी जगनापुरा-जगनापुरा, मछली मंडी, मेवाती मोहल्ला, लघेडी डांगर, 11 केवी रामनगर, लूटपुरा, रामनगर, रानीपुरा, इन्द्रानगर, चार शहर का नाका, 11 केवी घूमेश्वर जगनापुरा उपकेन्द्र से मछली मंडी, रामनगर, धूमेश्वर की बगिया, लूटपुरा, मदन कुई, 11 केवी रानीपुरा (सिटी फीडर) लूटपुरा, रामनगर, रानीपुरा, इन्द्रा नगर, चार शहर का

नाका, 11केवी मंगलेश्वर फीडर मंगलेश्वर रोड, काशी नरेश की गली, भारद्वाज का बाडा, कानून गोयन मोहल्ला, सुनारन गली, 11 केवी राजा की मंडी फीडर से राजा मंडी, पुराना पुलिस थाना, सोड़ा का कुआं क्षेत्र प्रभावित होगा।

33 केवी हुरावली, एमइएस, रिवरव्यू कालोनी फीडर पर सुबह दस से दोपहर तीन बजे तक बिजली गुल रहेगी। इससे सिरोल, हुरावली (एबीसी ब्लाक) मोहनपुर गांव, पवनसुत कालोनी, पुराना घोसीपुरा, न्यू घोसीपुरा, ठंडी सडक, रामनगर, आर्य नगर, बारादरी चौराहा, त्यागी नगर, गैरूवाला बंगला, सदर बाजार, सिंहपुर रोड, काशीपुरा, निबुआपुरा, एमएच चौराहा, मरीमाता केशव विहार कालोनी, हरदेव सिंह की टाल, फूटी कालोनी, हरखेडा गांव, जारगा रोड, मोहनपुर हाइवे (टोल टैक्स), उच्चदाब उपभोक्ता केडीजे अस्पताल, विन्डसर हिल, एमके सिटी, आरटीओ कार्यालय, सनवेली, कोस्मोवैली, श्रीजी आवास विकास, बुड्स रेजीडेंसी, ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, बंशीपुरा, सूर्या पुरा, लाल टिपारा, हाथी खाना, तिकोनिया, गोशाला, संकट मोचन नगर, केशव विहार, खटीक मौहल्ला, कम्पनी बाग रोड, न्यू दुर्गा कालोनी, रिसाला बाजार, एसएलपी कालेज के आसपास का क्षेत्र, लाल साहब का बगीचा, लोचन नगर, लाल साहब का बगीचा, सीपी कालोनी, हक्सर कालोनी, शीतला कालोनी, सात नम्बर चौराहा, जडेरुआ, महावीर कालोनी, काल्पी ब्रिज, सागर एवेन्यू, मुरार इन्क्लेव, गणेश कालोनी, खुला संतर, नया संतर, कोतवाली, कृष्णपुरी, हरिओम कालोनी, दुर्गा कालोनी, बैजल कोठी, नगर निगम कालोनी, जच्चा खाना मुरार, वीआइपी सर्किट हाउस, उच्वदाब उपभोक्ता एमइएस उच्चदाब उपभोक्ता, सेंट पाल स्कूल और रिवरव्यू कालोनी का क्षेत्र प्रभावित रहेगा।

संपादकीय

तो क्या श्रापित है झारखंड में सीएम की कुर्सी ?

साल 2000 में बिहार से कटकर अलग राज्य का दर्जा प्राप्त करने वाले झारखंड में सियासत एक बार फिर करवट लेने को विवश दिख रही है। छोटा सा यह राज्य अपने शैशव काल से ही इस तरह की विवशता देखने का आदि हो चुका है। इस राज्य में मुख्यमंत्री की कुर्सी के साथ विवशता का विष हमेशा से ही हावी रहा है। विष का असर ऐसा कि कोई भी मुख्यमंत्री अपना कार्यकाल पूरा ही नहीं कर सका। रघुवर दास ने जब मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पांच साल का कार्यकाल 2014 से 2019 तक पूरा किया तब लगा था कि इस कुर्सी से अपशगुन का साया हट गया है। पर एक बार फिर सियासी बयार इसी अपशगुन की तरफ इशारा कर रहे हैं कि झारखंड के मुख्यमंत्री की कुर्सी सही में शापित है। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपशगुन का साया इस कदर हावी रहा है कि झारखंड के बड़े नेता माने जाने वाले शिबू सोरेन और अर्जुन मुंडा तीन-तीन बार मुख्यमंत्री बनने के बावजूद कभी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन दूसरी बार झारखंड की कमान संभाल रहे हैं। पर श्राप ऐसा है कि पहली बार की तरह इस बार भी उनका कार्यकाल पूरा होने की संभावना कम दिख रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी का सात बार समन मिल चुका है। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक हेमंत गुहार लगा चुके हैं। सभी जगह से निराशा हाथ लगने के बाद अब ईडी के संभावित सख्त कदम को देखते हुए हेमंत खुद ही बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। जल्द ही वह ईडी के सामने पेश होंगे। यह आशंका बलवति है कि उन्हें देर सबेर गिरफ्तार भी किया जा सकता है। ऐसे में हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री की कुर्सी अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को देने का मन बना चुके हैं। प्लॉट भी तैयार हो चुका है। बस इस पर मुहर शेष है। पहले आदिवासी मुख्यमंत्री जिन्होंने लगातार चार साल कुर्सी संभाली हेमंत सोरेन ने 29 दिसंबर को अपनी सरकार की चौथी सालगिरह मनाई थी। यह चौथी सालगिरह हालांकि उनके लिए एक तरह से रिकॉर्ड ही बनाकर गई है। वह प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बन चुके हैं जिन्होंने लगातार चार साल मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली है। पर पांचवें सालगिरह का शगुन उन्हें मिल पाता है या नहीं इस पर सभी की नजर बनी हुई है। हालांकि बुधवार तीन जनवरी को रांची में सत्ताधारी गठबंधन के विधायक दल की बैठक के बाद फिलहाल इस कयास पर विराम लग गया है। इस बैठक में तय हुआ कि नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री हैं और रहेंगे। उधर, तीन जनवरी को ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मुख्यमंत्री के करीबियों पर शिंकजा कसते हुए छापेमारी करते हुए स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आने वाले कुछ दिनों में बहुत कुछ हो सकता है। इससे पहले साल 2023 के अंतिम दिन पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. सरफराज अहमद %पार्टी हित% में अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंप चुके हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार भी हो चुका है। वे गिरिडीह जिले के गांडेय सीट से विधायक थे। कयास लग रहे हैं कि उसी सीट से पार्टी कल्पना सोरेन को उपचुनाव में खड़ा करेगी। चुनाव की संभावना पर भी संकट के बादल हैं क्योंकि एक साल से कम का कार्यकाल बचा हुआ है। विधायक दल की बैठक में भी सरफराज अहमद भी शामिल हुए थे। जब उनसे पूछा गया कि तकनीकि तौर पर आप विधायक तो हैं नहीं फिर इस बैठक में शामिल होने क्या औचित्य था? मुस्कुराहट के साथ उन्हानें पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें बुलाया गया था इसीलिए वे शामिल हुए थे। उनकी मुस्कुराहट में बहुत कुछ छिपा था। बुधवार को ही बैठक के साथ-साथ ईडी ने भी अपने तेवर दिखा दिए हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि क्या झारखंड के मुख्यमंत्री की कुर्सी अपने श्राप से मुक्त हो पाएगी? या एक बार फिर वर्तमान मुख्यमंत्री अपना कार्यकाल पूरा किए बिना रुख्सत हो जाएंगे।

मंदिर में क्यों की जाती है मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा?

सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए साल 2024 का पहला महीना यानी जनवरी बहुत ही खास रहने वाला है। यह महीना ऐतिहासिक होने वाला है, क्योंकि इस माह में अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम के बाल स्वरूप की मूर्ति प्रतिष्ठित की जाएगी। हिंदू धर्म में किसी भी मंदिर में की जाने वाली भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का बहुत बड़ा महत्व होता है। धर्म गुरुओं की मानें तो मंदिर में भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बिना उनका पूजन अधूरा माना जाता है। 22 जनवरी को रामलला के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। ऐसे में बहुत से लोग इस बात को जानना चाहते हैं कि प्राण प्रतिष्ठा होती क्या है? तो चलिए जानते हैं कि मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा क्यों की जाती है और इसका धार्मिक महत्व क्या है...

क्या होती है प्राण प्रतिष्ठा? सनातन धर्म में प्राण प्रतिष्ठा का बहुत ज्यादा महत्व है। मूर्ति स्थापना के समय प्राण प्रतिष्ठा जरूर किया जाता है। किसी भी मूर्ति की स्थापना के समय प्रतिमा रूप को जीवित करने की विधि को प्राण प्रतिष्ठा कहा जाता है। प्राण शब्द का अर्थ जीवन शक्ति और प्रतिष्ठा का अर्थ है स्थापना से माना जाता है। ऐसे में प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है, जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना।

प्राण प्रतिष्ठा का महत्व कोई भी मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूजा के योग्य नहीं मानी जाती है।

भूकम्प के खतरे के साए में हिमालयी लोग

हाल ही में जापान में आए विनाशकारी भूकम्प ने भारतीय हिमालय में बसे लोगों को भी डरा दिया है। डरना भी स्वाभाविक ही है, क्योंकि विश्व की सबसे युवा पर्वत श्रृंखला हिमालय भी भूगर्वीय हलचलों के कारण भूकम्प की दृष्टि से कोई कम संवेदनशील नहीं है। भूवैज्ञानिकों का यहां तक मानना है कि हिमालय के गर्भ में इतनी भूगर्वीय ऊर्जा जमा है कि अगर वह अचानक एक साथ बाहर निकल गई तो उसका विनाशकारी प्रभाव कई परमाणु बमों के विस्फोटों से भी अधिक हो सकता है। डराने वाली बात तो यह है कि भूगर्वीय ऊर्जा या साइस्मिक एनर्जी न तो छोटे मोटे भूकम्पों से खाली या कम हो सकती है और ना ही सीमा से अधिक समय तक भूगर्व में जमा रह सकती है। भूगर्वीय चट्टानों के टकराव और घर्षण से यह ऊर्जा निरन्तर बढ़ती जाती है। चूंकि जापान के लोग भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं के साथ जीना सीख चुके हैं, इसलिए वहां बड़े भूकम्प में भी जन और धन की बहुत कम हानि होती है। जबकि भारत में मध्यम परिमाण का भूकम्प भी भारी तबाही मचा देता है। कारण प्रकृति के साथ सामंजस्य और जन जागरूकता की कमी है।

15 दिनों में आए 74 भूकम्प भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के भूकम्प के चार्ट पर नजर डालें तो 15 दिसम्बर 2023 से लेकर 1 जनवरी 2024 की 15 दिन की अवधि में भारत में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक रिक्टर पैमाने पर 1.8 से लेकर 6 परिमाण तक के कुल 74 भूकम्प दर्ज हैं, और इनमें से सर्वाधिक 64 भूकम्प नेपाल और हिमालयी राज्यों में आए हैं। क्योंकि नेपाल उत्तराखण्ड जैसे हिमालयी राज्यों से जुड़ा है और इसकी साइस्मिक स्थिति इन्हीं राज्यों के समान है, इसलिए हम नेपाल की गिनती हिमालयी राज्यों से कर रहे हैं। हिमालयी राज्यों में भी सर्वाधिक 24 भूकम्प जम्मू-कश्मीर और लेह लद्दाख में दर्ज हुए हैं। इनमें भी सर्वाधिक 11 भूकम्पों का केन्द्र किस्तवाड़ रहा है। इनके अलावा उत्तराखण्ड में 6 और हिमाचल में 5 भूकम्प दर्ज हुए हैं। इसी तरह पूर्वोत्तर में ईस्ट और वेस्ट गारोहिल्स, मणिपुर, अरुणाचल, मीजोरम और नागालैंड में भूकम्पों की आवृत्ति दर्ज हुई है। नेपाल में 4 नवम्बर से लेकर 8 नवम्बर 2023 तक 2.8 से लेकर 5.6 परिमाण के 17 भूकम्प दर्ज किए गए। वहां एक ही दिन 4 नवम्बर को 2.8 से लेकर 3.7 परिमाण के 8 भूकम्प दर्ज किए गए। भयंकर भूकम्प की जद में हैं हिमालयी लोग भारत की संपूर्ण हिमालयी बेल्ट 8.0 से अधिक तीव्रता वाले बड़े भूकंपों के लिए अतिसंवेदनशील मानी जाती है। इसका मुख्य कारण भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट की ओर लगभग 50 मिमी प्रति वर्ष की दर से खिसकना है। हिमालय क्षेत्र और सिंधु-गंगा के मैदानों के अलावा, यहां तक कि प्रायद्वीपीय भारत में भी विनाशकारी भूकंपों का खतरा है। देश के वर्तमान भूकंपीय जोनेशन मैप के अनुसार भारतीय भूभाग का 59 प्रतिशत हिस्सा सामान्य से बहुत बड़े भूकम्पों के खतरे की जद में हैं। भारत में भी संपूर्ण हिमालय क्षेत्र को रिक्टर पैमाने पर 8.0 अंक की तीव्रता वाले बड़े भूकंपों के प्रति प्रवृति माना गया है। इस क्षेत्र में सन् 1897 शिलांग (तीव्रता 8.7), 1905 में कांगड़ा (तीव्रता 8.0), 1934 बिहार-नेपाल (तीव्रता 8.3) और 1950 असम-तिब्बत (तीव्रता 8.6) के बड़े भूकम्प आ चुके हैं। नेपाल में 25 अप्रैल 2015 का 8.1 परिमाण का अब तक का सबसे भयंकर भूकम्प था जिसके कारण 8,649 लोग मारे गए थे और 2,952 घायल हुए थे। भूकंप में निकलने वाली ऊर्जा मुख्य रूप से पृथ्वी की सतह के नीचे टेक्टोनिक प्लेटों की गति या हलचल से उत्पन्न होती है। यह गतिविधि भारी मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न करती है। तुलना के लिए, परमाणु विस्फोट से निकलने वाली ऊर्जा, जैसे कि परमाणु बम विखंडन या संलयन प्रतिक्रियाओं के माध्यम से परमाणु ऊर्जा की तीव्र रिहाई से प्राप्त होती है। परमाणु विस्फोट भी शक्तिशाली होते हैं, लेकिन उनका ऊर्जा उत्पादन आमतौर पर किसी बड़े भूकंप की तुलना में बहुत कम होता है। अब तक सबसे शक्तिशाली परमाणु बम विस्फोट जार बॉम्बा का था जिससे उत्पन्न अनुमानित ऊर्जा लगभग 50 मेगाटन टीएनटी (समतुल्य ऊर्जा) मानी गई थी। इसके विपरीत, अब तक दर्ज किए गए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से कुछ ने हजारों परमाणु बमों के बराबर ऊर्जा जारी की है। उदाहरण के लिए 1960 में चिली में वाल्डिविया भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 9.5 थी और इससे हजारों परमाणु बमों के बराबर अनुमानित ऊर्जा निकली थी। भूवैज्ञनिकों के अनुसार भूकम्प की 1.0 की तीव्रता में वृद्धि के साथ भूकंप द्वारा जारी ऊर्जा लगभग 31 गुना बढ़ जाती है। जैसे 8.0 तीव्रता का भूकंप 7.0 तीव्रता के भूकंप द्वारा रिलीज ऊर्जा का लगभग 31 गुना बढ़ जाती है। 6.0 तीव्रता के भूकंप की तीव्रता की कोई ऊपरी या निचली सीमा नहीं है। दरअसल, बहुत छोटे भूकंप की तीव्रता एक ऋणात्मक संख्या भी हो सकती है। आमतौर पर 5.0 से अधिक तीव्रता वाले भूकंपों के कारण जमीन में इतनी तेज गति होती है कि संरचनाओं को काफी नुकसान हो सकता है। बहरहाल भारतीय हिमालय क्षेत्र में जिस विनाशकारी भूकम्प की आशंका जताई जा रही है उसकी शक्ति कई परमाणु बमों से अधिक हाने का आशंका व्यक्त की गई है।

जीना है तो प्रकृति के साथ जीना सीखो भूकम्प जैसी प्राकृतिक घटनाओं को रोका तो नहीं जा सकता मगर प्रकृति के साथ रहना सीख कर बचाव अवश्य किया जा सकता है। दरअसल आदमी को भूकम्प नहीं बल्कि उसी के द्वारा अपनी सुरक्षा और आश्रय के लिए बनाया गया मकान मारता है। 30 सितंबर 1993 को महाराष्ट्र के लातूर क्षेत्र में 6.2 परिमाण का भूकंप आता है तो उसमें लगभग 10 हजार लोग मारे जाते हैं और 30 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के साथ ही 1.4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। जबकि 28 मार्च 1999 को चमोली में लातूर से भी बडा 6.8 मैग्नीट्यूट का भूकंप आता है तो उसमें केवल 103 लोगों की जानें जाती हैं और 50 हजार मकान क्षति ग्रस्त होते हैं। इसी तरह 20 अक्टूबर 1991 के उत्तरकाशी के 6.6 परिमाण के भूकंप में 786 लोग मारे जाते हैं और 42 हजार मकान क्षतिग्रस्त होते हैं। जबकि 26 जनवरी 2001 को गुजरात के भुज में रिक्टर पैमान पर 7.7 परिमाण का भूकंप आता है तो उसमें कम से कम 20 हजार लोग मारे जाते हैं और 1.67 लाख लोग घायल हो जाते हैं। लातूर और भुज में हुई तबाही घनी आबादी और विशालकाय इमारतों के कारण हुई जिनमें भूकम्परोधी व्यवस्था नहीं थी। इसलिए जरूरी है कि लोगों को सवाधान करने के साथ ही भूकम्प के प्रति जागरूक किया जाय ताकि वे अपना बचाव स्वयं कर सकें।

कब है साल 2024 का पहला प्रदोष व्रत? जानें पूजा विधि और महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक माह में कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस तरह से हर माह में दो प्रदोष व्रत आते हैं। प्रदोष व्रत शिव जी को समर्पित होता है। प्रत्येक प्रदोष व्रत का नाम सप्ताह के दिन के अनुसार होता है और इसके फल की प्राप्ति भी उसी के अनुसार बढ़ जाती है। प्रदोष व्रत के दिन व्रत रखकर शिव जी के साथ मां पार्वती की पूजा की जाती है। इस दिन पूजा व व्रत करने से शिव जी की कृपा प्राप्त होती है और वे अपने भक्तों के समस्त संकटों को दूर कर देते हैं। इस व्रत को करने भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और आपके परिवार में सुख-शांति व समृद्धि आती है। अब साल 2024 की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में चलिए जानते हैं इस साल का पहला प्रदोष व्रत कब है...

साल 2024 का पहला प्रदोष व्रत कब?

साल का पहला प्रदोष व्रत 9 जनवरी दिन मंगलवार को रखा जाएगा। जो प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन होता है, उसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है। भौम प्रदोष के दिन व्रत रखने से व्यक्ति को हर तरह के रोगों से मुक्ति मिलती है।

भौष प्रदोष व्रत 2024 का शुभ मुहूर्त

त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 8 जनवरी 2024 को रात 11 बजकर 58 मिनट पर होगी। अगले दिन 9 जनवरी 2024 को रात 10 बजकर 24 मिनट पर इसका समापन होगा। इस दिन शिव पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 05 बजकर 41 मिनट से रात 08 बजकर 24 मिनट तक है। पंचांग के अनुसाल 9 जनवरी को प्रदोष व्रत के साथ ही साल की पहली मासिक शिवरात्रि भी है। ये दोनों तिथियां शिव जी को समर्पित हैं। ऐसे में शिवरात्रि और प्रदोष व्रत एक दिन ही पड़ने के कारण इस दिन का महत्व और बढ़ गया है। इस दिन पूजा-पाठ करने से कई गुना फल मिलेगा।

दुनिया के सामने बेनकाब पाकिस्तान शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर ठीक नहीं है सख्ती

बलूचिस्तान हमेशा गलत कारणों से सुर्खियों में रहता है। पाकिस्तान का सबसे बड़ा, लेकिन सबसे कम आबादी वाला यह प्रांत कभी भी इस्लामाबाद या प्रधानमंत्री कार्यालय के निशाने पर नहीं रहा था। दशकों पहले यह पहली बार तब खबरों में आया, जब पाकिस्तान ने चगाई के पहाड़ों में एक परमाणु उपकरण का परीक्षण किया, जिससे इस खूबसूरत इलाके का पर्यावरण नष्ट हो गया। खनिज संपदा के मामले में यह प्रांत उम्मीद से ज्यादा समृद्ध है और तांबा एवं सोना जैसे कई खनिजों की अभी खुदाई भी नहीं हो पाई है। सुई के छोटे से इलाके में खोजी गई सुई गैस पूरे पाकिस्तान में रसोई बनाने एवं घर को गर्म रखने के लिए पाइपों द्वारा आपूर्ति की जाती है, लेकिन दुखद बात है कि बलूचिस्तान के कई इलाके इससे वंचित हैं। इन दिनों दुनिया भर की निगाहें, मीडिया और सिटिजन जर्नलिस्टों के कैमरे इस्लामाबाद नेशनल प्रेस क्लब पर टिके हुए हैं। खुली जगहों पर हर जगह तंबू लगे हुए हैं, जिनमें बलूचिस्तान के लोग भरे हुए हैं। उनमें से अधिकांश महिलाएं, बच्चे और बूढ़ी औरतें हैं। सुबह वे अपने प्रियजनों की तस्वीरें लेकर शांति से बैठते हैं, जिसके बारे में किसी शब्द की जरूरत नहीं है। ये युवा और बुजुर्ग उन महिलाओं और बच्चों के रिश्तेदार हैं, जिनमें से अधिकांश दशकों से लापता हैं। उनके परिजनों को कुछ पता नहीं है कि वे जीवित हैं या मृत। इन महिलाओं के लिए इससे अधिक पीड़ादायक कुछ नहीं हो सकता, विशेषकर अपने पोते-पोतियों से घिरी दादियों के लिए, जब वे उन सुंदर युवाओं के पोट्रेट और बैनर हाथ में पकड़ती हैं, जो गायब हैं या जैसा कि अब उन्हें %जबरन गुमशुदा% के रूप में जाना जाता है। इस भीड़ में वे महिलाएं भी शामिल हैं, जो अपने पुरुष परिजनों की न्यायेतर हत्याओं के बाद बच गई हैं। वे मानवाधिकार उल्लंघन का भी विरोध कर रही हैं। ये बलूची नागरिक बलूचिस्तान से पैदल चलकर इस्लामाबाद पहुंचे हैं, जिन्हें वे %बलूचिस्तान टू इस्लामाबाद लांग मार्च% या %बलूच लांग मार्च% कहते हैं। इस्लामाबाद की ओर बढ़ते हुए यह मार्च शांतिपूर्ण था, लोगों ने उनका स्वागत किया, उनके खाने और रात में रहने की व्यवस्था की। अन्य इलाकों में भी गुलाब की पंखुरियां फेंककर और माला पहनाकर नायकों की तरह उनका स्वागत किया गया। सुरक्षाकर्मी न तो चिंतित दिखे और न ही उन्हें शहरों

व कस्बों में रोका। लेकिन जैसे ही बलूच लॉन्ग मार्च इस्लामाबाद के करीब पहुंचा, एकाएक सब कुछ बदल गया। अनवारुल हक काकर की कार्यवाहक सरकार ने अपना आपा खो दिया और मार्च में शामिल सैकड़ों थके हुए लोगों, विशेषकर बच्चों को राजधानी इस्लामाबाद के मुख्य इलाके में प्रवेश करने से रोकने की कोशिश की, जिससे सारी शांति भंग हो गई। मार्च करने वालों को इस्लामाबाद में विभिन्न जगहों पर ले जाया गया, जहां वे न केवल जनता से, बल्कि अपनी दैनिक जरूरतों की पूर्ति के लिए बाजार से भी पूरी तरह कट जाते। पुलिस ने, जैसा कि वे दक्षिण एशियाई देशों में करने के लिए जानी जाती हैं, सख्ती दिखाई और भीड़ को संभालने के बजाय, जिनमें अधिकांश महिलाएं एवं बच्चे थे, निहत्थे एवं शांतिपूर्ण नागरिकों पर सख्त बल प्रयोग किया। भीषण लाठीचार्ज, रबड़ की गोलियां और आंसू गैस भी जब मार्च को नहीं रोक सकीं, तो उन्होंने अंतिम उपाय के रूप में सर्दी के मौसम में पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। उचित न्यायिक प्रक्रिया के बिना पुरुष एवं महिलाओं को उठाकर वैन में डाल दिया गया और उन्हें जेल में बंद कर दिया गया। जेल में बंद लोगों का कई हफ्तों तक कोई अता-पता नहीं था। व्यापक मीडिया अभियान के बाद अंतत: उन सभी मार्च करने वालों को रिहा कर दिया गया। महरंग बलूच नामक एक महिला डॉक्टर इस मार्च की नायिका बनकर उभरी हैं, जिन्होंने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वह पूरे दिन इंटरव्यू देती रहती हैं और रात में भी मीडिया उनसे दिन भर के घटनाक्रमों के बारे में पूछता रहता है। महरंग बलूच एक महिला मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं, जो बलूचिस्तान में अधिकारियों द्वारा गैर-कानूनी ढंग से लोगों को गायब करने और न्यायेतर हत्या जैसे उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष करती हैं। इस्लामाबाद में लोग उनसे पहली बार मिले और उन मुद्दों को सुना, जो उन्होंने इससे पहले कराची एवं क्वेटा में उठाए थे, जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया था। उनके इस्लामाबाद आने से न केवल अंतरराष्ट्रीय मीडिया, बल्कि राजनयिक समुदाय ने भी पहली बार देखा कि पाकिस्तान की हुकूमत किस तरह निहत्थे एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का उत्पीड़न करती है। महरंग बलूच और उनके समर्थकों को जबर्दस्त मीडिया कवरेज मिला, हालांकि सरकार ने इस्लामाबाद पुलिस और सादी वर्दी में अन्य लोगों द्वारा प्रदर्शनकारियों के उत्पीड़न से संबंधित तस्वीरों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की। इस पर नॉर्वे के राजदूत और यूरोपीय संघ के राजदूत की तत्काल प्रतिक्रिया देखी गई, जिन्होंने सावधानी बरतने की सलाह दी। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने तुरंत शर्मिंदा होकर प्रतिक्रिया व्यक्त की और वरिष्ठ राजनयिकों से पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने को कहा। 12 दिसंबर, 2009 को महरंग बलूच के पिता को पाकिस्तानी सुरक्षा बल ने तब जबरन अपहृत कर लिया था, जब वह कराची स्थित अस्पताल जा रहे थे। तब वह मात्र 16 साल की थीं। पाकिस्तान के रूढ़िवादी समाज में रहने के बावजूद उन्होंने तुरंत अपने पिता के अपहरण का विरोध किया और छात्र प्रतिरोध आंदोलन में पहचानी जाने लगीं। दुख की बात है कि वर्ष 2011 में उनके पिता मृत पाए गए, जिनके शरीर पर उत्पीड़न के निशान थे। लेकिन महरंग का दुख यहीं खत्म नहीं हुआ, क्योंकि दिसंबर, 2017 में उनके भाई का अपहरण कर लिया गया, और तीन महीनों से ज्यादा समय तक हिरासत में रखा गया। महरंग बलूच ने बताया, सत्ता प्रतिष्ठान ने शुरू से ही हमारी मांगों के प्रति आधी-अधूरी और बेमन से चिंता दिखाई है। दुखद है कि दुनिया लगातार सत्ता प्रतिष्ठान की गैर-जवाबदेही और हठधर्मिता देख रही है, जहां शांतिपूर्ण आंदोलन करने पर प्रदर्शनकारियों को यातनाएं और गिरफ्तारी झेलने के साथ मीडिया ट्रायल का भी सामना करना पड़ता है।

पाकिस्तान से आए परिवार की तीन पीढ़ियों ने राम मंदिर के लिए किया संघर्ष

अयोध्या में प्रभु राम के मंदिर के निर्माण के लिए बंटवारे के दौरान पाकिस्तान से आए परिवार की तीन पीढ़ियों ने संघर्ष किया। दादा ने प्रदेश में आंदोलन की रणनीति बनाई तो बेटों और पोते ने कार सेवा के दौरान अयोध्या में 1992 में बाबरी ढांचा ढहाने में भी भूमिका निभाई।

देश में आपातकाल के दौरान पौने दो साल तक जेल की सजा काटने वाले सेठ जुगल किशोर लाहोरिया हरियाणा में राम मंदिर आंदोलन की रणनीति बनाने वालों में शामिल रहे थे। वह देश के बंटवारे के दौरान पाकिस्तान के लाहौर से भारत आए थे। राम मंदिर आंदोलन में सेठ जुगल किशोर के बेटे मोहन लाल लाहोरिया, महेंद्र व मदन, मोहन लाल के दो बेटे सुरेंद्र और अश्वनी सक्रिय रहे। तब सुरेंद्र की उम्र 20 वर्ष और अश्वनी की उम्र करीब 16 वर्ष थी। आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अशोक सिंघल, प्रवीण भाई तोगड़िया, साध्वी ऋतंभरा, मनोहर लाल आदि सभी प्रमुख नेता उनके घर आते रहे हैं। उन दिनों नरेंद्र मोदी हरियाणा के प्रभारी भी थे।

1990 - जंगल-झाड़ियों में भागकर रेलवे स्टेशन तक पहुंचे

सुरेंद्र लाहोरिया बताते हैं कि 1990 में कार सेवा का आह्वान हुआ तो पिता मोहन लाल, दोनों चाचा महेंद्र व मदन के साथ वह पहचान छिपाकर अयोध्या पहुंचे। हनुमान गढ़ी में अशोक सिंघल का संबोधन चल रहा था। तेज बारिश थी, इसी दौरान हंगामा शुरू हुआ और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। गोलियां चलने लगीं। वहां से जंगल-झाड़ियों में भागकर रेलवे स्टेशन तक पहुंचे। ट्रेन में सवार होकर रात ढाई बजे हिसार पहुंचे। पिताजी बिछड़ गए तो रास्ते में उनकी चिंता सताती रही। बाद में फोन पर उनसे संपर्क हुआ तब राहत मिली।

1992- पिता पत्रकार बनकर अयोध्या पहुंचे तो छोटे बेटे ने हिसार में काटी जेल

अश्वनी लाहोरिया बताते हैं कि 1992 में वह 12वीं के छात्र थे और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में सक्रिय थे। पिता मोहनलाल पत्रकार बनकर अयोध्या पहुंचे तो उन्हें आसानी से गुंबद के पास जाने का मौका मिल गया। चाचा मदन भी परिसर में रहे। हिसार में अश्वनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शाम करीब सात बजे पिताजी का फोन आया और उन्होंने परिजनों को ठीक होने की जानकारी दी, तब राहत मिली।

1989 में यूपी के कारीगर बुलाकर तैयार कराया राम मंदिर का मॉडल

हिसार में जब राम मंदिर आंदोलन चल रहा था तो 1989 में मोहन लाल लाहोरिया ने उत्तर प्रदेश से कारीगर बुलाकर राम मंदिर का मॉडल तैयार कराया था। इसी मॉडल के सहारे ही राम मंदिर के सभी आंदोलनों को गति दी गई। सुरेंद्र लाहोरिया बताते हैं कि यह मॉडल उन्होंने अपने घर पर सजाकर आज भी सुरक्षित रखा है।

राजनीति में प्रवेश करने की अटकलों पर मनोज बाजपेयी ने तोड़ी चुप्पी

बोले- किसी को सपना आया?

देश के सबसे बेहतरीन और निपुण अभिनेताओं में से एक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक अपने अभिनय का जादू बिखेरने वाले मनोज बाजपेयी की फिल्में और वेब सीरीज दर्शकों को खूब पसंद आती है। सत्या और गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों में मनोज के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं। वे हर बार कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, जो उन्हें अन्य अभिनेताओं से अलग बनाता है। अभिनेता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में चलते हैं। पिछले कई दिनों से खबर आ रही है कि मनोज लोकसभा चुनाव लड़ने वाले हैं, जिसे लेकर अब अभिनेता ने सारी अटकलों को खारिज किया है। अभिनेता 11 जनवरी को अपनी आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज किलर सूप की रिलीज के लिए तैयार हैं। मनोज को शहर में अपनी नई सीरीज का प्रचार करते देखा गया है, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा भी हैं। इन सबके अलावा कुछ दिनों से मनोज बाजपेयी का राजनीति क्षेत्र में भी नाम उछाला जा रहा है। हाल ही में, अभिनेता ने अपनी राजनीतिक खबरों को लेकर उठ रही अटकलों पर एक बार फिर विराम लगाने के लिए अपने एक्स अकाउंट का सहारा लिया है।

मनोज ने ट्विटर पर लिखा, अछा ये बताओ ये बात किसने बोला या कल रात सपना आया? बोलिए बोलिए! उनके इस सवाल से साफ है कि निकट भविष्य में वे राजनीति में जाने की कोई योजना नहीं बना रहे हैं। जाहिर है फैंस के लिए यह खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है क्योंकि वे अभिनेता को स्क्रीन पर देखना यादा पसंद करते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी के विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में पश्चिम चंपारण लोकसभा क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने की खबरें तेजी से वायरल हो रही थी। अभिनेता की चुप्पी ने कयासों का बाजार गर्म किया हुआ था, लेकिन मनोज ने इन अटकलों को खारिज करते हुए सारी अफवाहों को खारिज कर दिया है।अभिनेता की वेब सीरीज किलर सूप 11 जनवरी 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेता द फैमिली मैन के बहुप्रतीक्षित तीसरे सीजन में भी दिखाई देंगे।

अपनी मातृभाषा में आगे फिल्म बनाने से श्रीराम का इनकार

अब इस भाषा में फिल्म बनाने की इच्छा

हिंदी सिनेमा में निर्देशक श्रीराम राघवन का बहुत बड़ा नाम है। उन्होंने 'एक हसीना थी', बदलापुर और अंधाधुन जैसी ट्रेंडसेटर फिल्में बनाई हैं। मुंबई में अपनी मां के साथ रहने वाले श्रीराम राघवन को की मातृभाषा तमिल है और अपने करियर में पहली बार उन्होंने फिल्म 'मेरी क्रिसमस' हिंदी के साथ साथ तमिल में भी बनाई है। लेकिन, अब वह अपनी मातृभाषा में कोई फिल्म नहीं बनाना चाहते, बल्कि उनकी तमन्ना अब एक फिल्म मराठी में बनाने की है। निर्देशक श्रीराम राघवन ने फिल्म मेरी क्रिसमस के प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, मैं खुद तमिलियन हूं और मुंबई में पला बढ़ा हूं। काफी समय से मैं सोच रहा था कि एक तमिल फिल्म बनाऊं। मेरी यह इछा फिल्म मेरी क्रिसमस से पूरी हो गई। चूंकि यह फिल्म हिंदी और तमिल भाषा में बनानी थी। इसलिए फिल्म के लीड रोल में हिंदी से कैटरीना कैफ और तमिल इंडस्ट्री से विजय सेतुपति को साइन किया। निर्देशक श्रीराम राघवन ने कहा, जब फिल्म मेरी क्रिसमस की प्लानिंग चल रही थी, उस समय कोविड का समय चल रहा था। सबसे पहले फिल्म की कहानी विजय सेतुपति को जूम कॉल पर सुनाई। विजय सेतुपति को जब फिल्म की कहानी पसंद आई तो सबसे पहले उनके जन्मदिन पर 16 जनवरी 2021 को उन्हें साइन किया। उसके बाद फिल्म के बाकी कलाकारों से संपर्क किया। निर्देशक श्रीराम राघवन ने पहली बार फिल्म मेरी क्रिसमस को हिंदी और तमिल में निर्देशित किया है। वह कहते हैं, मैं तमिलियन हूं, काफी समय से सोच रहा था कि तमिल फिल्म निर्देशित करूं, लेकिन अब आगे नहीं कर पाऊंगा। इस फिल्म के सीन को पहले हिंदी में शूट करता था। और, दस दिन के बाद उसी सीन को तमिल में शूट करना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति के अलावा फिल्म में हिंदी में अलग और तमिल में अलग कलाकार है। मैं मुंबई में पला बढ़ा हूं, अब मेरी इछा मराठी फिल्म निर्देशित करने की है।

मनोज बाजपेयी ने सफल वेब सीरीज बनाने का दिया मंत्र

बोले- कहानी के लेखक ही असली हीरो

बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक मनोज बाजपेयी की फिल्में और वेब सीरीज दर्शकों को खूब पसंद आती है। सत्या और गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसे फिल्मों में मनोज के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं। वह हर बार कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, जो उन्हें अन्य अभिनेताओं से अलग बनाता है। आज भी यह सिलसिला लगातार जारी है। बीते कुछ समय में ओटीटी पर भी मनोज के कई वेब सीरीज रिलीज हुए, जिसे देश में सबसे यादा देखा गया। इस लिस्ट में द फैमिली मैन का नाम सबसे ऊपर है। हाल ही में अभिनेता ने सफल वेब सीरीज की कहानी और उसके लेखन को लेकर बात की। उन्होंने क्या कहा चलिए आपको बताते हैं। एक साक्षात्कार में मनोज ने बताया कि वह अपने किरदार के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह इसलिए भी जरूरी हो जाता है क्योंकि ओटीटी प्लेटफॉर्म तेजी से अपनी जगह बना रहा है। गौरतलब है कि आज के समय में मनोज को ओटीटी किंग कहा जाता है और इसे नकारा भी नहीं जा सकता। बीते कुछ सालों में वे डिजिटल प्लेटफार्म पर मजबूत पकड़ बनाने में सफल रहे हैं। मनोज ने आगे कहा, बीते चार साल में मेरे साथ सबसे अछी बात ये हुई कि मुझे बहुत सारे अछे प्रोजेक्ट मिले और यह मुझ पर निर्भर करता है कि मैं किसे चुनता हूं। हालांकि, मैं उन प्रोजक्ट को यादा प्राथमिकता देता हूं, जो रचनात्मकता को एक अलग लेवल पर ले जाए। मैं फैंस को एक अलग अनुभव देने के लिए खुद को चैलेंज करता हूं। मैं चाहता हूं कि निर्देशक और लेखक मुझे कुछ असाधारण सा दें, गौरतलब है कि मनोज का अगला प्रोजेक्ट भी एक वेब सीरीज है, जिसका नाम किलर सूप है। इसका निर्देशन अभिषेक चौबे

ने किया है। किलर सूप एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा नजर आएंगी। इस वेब सीरीज के बारे में बात करते हुए मनोज ने सफल वेब सीरीज बनाने का मंत्र बताया। मनोज ने कहा, इस सीरीज की कहानी काफी मजबूत है। मुझे लगता है कि एक अछी और सफल वेब सीरीज बनाने के लिए मजबूत लेखन सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि इस पहले इस तरह की थ्रिलर या ब्लैक कॉमेडी कभी नहीं बनाई गई है। यह एक बिल्कुल अलग अनुभव था। किलर सूप 11 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा।

काजोल ने अब तक नहीं देखी छोटी बहन की फिल्म नील एन निक्की

तनीषा ने किया वजह का खुलासा

तनीषा मुखर्जी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2003 में श्श्श... से की थी। इसके दो साल बाद वे यशराज फिल्म्स के बैनर में बनी फिल्म नील एन निक्की में नजर आई थीं। 2005 में आई यह फिल्म फिल्म तब समीक्षकों और दर्शकों को संतुष्ट नहीं करने में नाकाम साबित हुई थी। हाल ही में एक बातचीत में तनीषा ने इस फिल्म को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है।

इस वजह से काजोल ने नहीं देखी फिल्म

उन्होंने बताया कि यह फिल्म अब तक उनकी बहन काजोल ने नहीं देखी है। अभिनेत्री ने बताया कि बहुत सारे किसिंग सीन की वजह से उन्होंने यह फिल्म आज तक नहीं देखी। इस बातचीत के दौरान उन्होंने अपने दोस्तों के बचों को बड़े होने के बाद इसे देखने का सुझाव दिया। उन्होंने आगे बताया कि अगर उन्हें अभी फिल्म की पेशकश की जाती तो वे बेहतर प्रदर्शन करतीं।

शूटिंग के दौरान रिलेशनशिप में थी तनीषा

अर्जुन सबलोक के निर्देशन में बनी नील एन निक्की एक कॉमेडी-ड्रामा थी। यह एक युवा लड़की की कहानी बताती है, जो अपने पूर्व प्रेमी को छोड़ने के इरादे से उसके साथ समझौता करने की पहल करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तनीषा और उदय उस समय रिलेशनशिप में थे। इसी वजह से उन्हें ऑन-स्क्रीन किस करने में असहजता नहीं हुई।

डीडीएलजे के सेट पर हुई थी पहली मुलाकात

उदय और तनीषा की पहली मुलाकात शाहरुख खान और काजोल की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के सेट पर हुई थी। उन दिनों उदय अपने भाई और फिल्म के निर्देशक आदित्य चोपड़ा के सहायक के रूप में काम कर रहे थे। हालांकि, नील एन निक्की के दो साल के बाद तनीषा और उदय ने अपने रिश्ते को खत्म कर दिया था।

कंगना रणौत के बदले सुर

12वीं फेल देखकर की विक्रांत मैसी की जमकर तारीफ

विक्रांत मैसी की तारीफ इन दिनों हर ओर हो रही है। 12वीं फेल में शानदार अदाकारी के लिए कई मशहूर हस्तियों से उन्हें खूब प्रशंसा मिली है। अब इस लिस्ट में कंगना रणौत का नाम भी शामिल हो गया है। हाल ही में अभिनेत्री ने उनकी प्रतिभा की सराहना की और कहा कि उनमें दिवंगत इरफान खान द्वारा छोड़े गए शून्य को भरने की क्षमता है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए फिल्म और इसके कलाकारों की खूब तारीफ की। उन्होंने लिखा, क्या शानदार फिल्म है.. मैं हिंदी माध्यम से हूं और एक ग्रामीण क्षेत्र से ताल्लुक रखती हूं। अपने स्कूल के दिनों में बिना आरक्षण के प्रवेश परीक्षाओं के लिए सामान्य जाति की छात्रा होने के नाते, मैं पूरी फिल्म में रो रही थी, उफ्फ मैंने इतना कभी नहीं रोया...एक फ्लाइट में मेरे सहयात्री इससे काफी चिंतित हो गए थे। अगली स्टोरी में उन्होंने लिखा, विधु सर ने एक बार फिर मेरा दिल जीत लिया है। विक्रांत मैसी ने फिल्म में अद्भुत काम किया है। अपने आने वाले वर्षों में वे इरफान खान साहब की कमी को पूरी कर सकते हैं... आपकी प्रतिभा को सलाम। साल 2021 में कंगना, विक्रांत को लेकर एक पोस्ट की वजह से सुर्खियों में आ गई थीं। 12वीं फेल की बात करें तो विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी यह फिल्म आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के जीवन पर आधारित है। 20 करोड़ के बजट में बनकर तैयार हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 66 करोड़ का कलेक्शन करने में सफल रही। अब यह फिल्म ओटीटी पर भी आ चुकी है, जिसे दर्शकों की ओर से भरपूर प्यार मिल रहा है।

आत्मसंदेह से आत्मविश्वास की कॉरपोरेट कहानी

'केकड़ों' की कलाकारी पर भारी लगन की ईमानदारी

फिल्म 'तारे जमीन पर' का गाना 'मंजिल का इशारा जमे रहो' हम सबने सुना है। समय बदलता रहता है। पीढ़ियां बदलती रहती हैं। बस, संघर्ष वैसे का वैसा ही रहता है। संघर्ष फिर चाहे वह सड़क पर चल रहे मजदूर के रोजी रोटी का संघर्ष हो या फिर ऊंची ऊंची इमारतों के वातानुकूलित दफ्तरों टिप टॉप कपड़ों में काम करने वाले कॉरपोरेट मजदूरों का। सिनेमा और समाज का रिश्ता बना रहे, इसी में समाज की भी और सिनेमा की भी प्रगति है। टीवीएफ के कथा किस्सों की यही खासियत है कि इसके कथाकार गहरे में डूबते हैं और नायाब मोती निकालकर कर लाते हैं। कॉरपोरेट जगत की उठापटक पर टीवीएफ की सीरीज 'क्यूबिकल्स' नए साल का पहला ठंडा झोंका है, जिसका आनंद आप इस सप्ताहांत बिंज वॉच के रूप में ले सकते हैं। नए साल का पहला अच्छा मनोरंजन सबको मुबारक हो!

'क्यूबिकल्स सीजन 3'- एक कंफर्ट सीरीज क्यूबिकल यानी नए जमाने के दफ्तरों में काम करने वालों के लिए बने छोटे छोटे दड़बे जैसी जगहें। इन दड़बों में काम करने वालों की ये कहानी दो सीजन में अपने रंग पहले ही जमा चुकी है। पीयूष अब तक खुद को कॉरपोरेट जगत में फिट करने और एक कर्मचारी के रूप में आई मुश्किलों से निपटने के प्रयास में है। इस सीजन में पीयूष प्रजापति की अपने साथियों के साथ हुई जद्दोजहद को दर्शाया गया है। मोटिवेशनल किताबों और पॉडकास्ट से प्रेरणा लेकर एक कामयाब टीम लीडर बनने की ये कोशिशें दर्शकों में सकारात्मकता जगाती है। ये एक ऐसी दुनिया की कहानी जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं हालांकि जाना अधिकतर ऐसी ही किसी दुनिया में चाहते हैं। पीयूष की मुश्किलें हर संघर्षशील इंसान की मुश्किलें हैं और यही वह सबसे बड़ी वजह है जो दर्शकों को इस सीरीज से जोड़े रखती है।

खुद को खोजने की कहानी पीयूष के कॉरपोरेट संघर्ष की इस कहानी में निर्देशक दिव्यांशु मल्होत्रा ने सीरीज के लेखकों के साथ मिलकर कहानी का ताना बाना ऐसा गढ़ा है कि यूं लगता है कि सारे किरदार कुछ देखे देखे से हैं। हर सीन में किसी ना किसी लेखक का संदर्भ दिलचस्पी जाता है। खुद को बदल कर और सफलता के लिए साम, दाम, दण्ड, भेद, हर तरीका आजमाने के साथ साथ काम में निपुणता हासिल करना और खुद को बेहतर साबित करने का जो 21वीं सदी का संघर्ष है, वह भावनाएं जगाता है। निर्देशन और लेखन टीम की जीत इसमें भी है कि ये सीरीज बहुत ज्ञान देने की बजाय जो कुछ भी कहना चाहती है, उसके लिए बहुत सहज तरीके से दृश्यावलियों पिरोती चलती है।

चौहान का फिर हुआ अभिषेक 'क्यूबिकल्स सीजन 3' में पीयूष का किरदार निभा रहे अभिनेता अभिषेक चौहान की अभिनय कुशलता यही है कि वे दर्शकों को इस किरदार की समस्याओं से सीधे और पहले एपिसोड से ही जोड़ लेते हैं। एक मुश्किल हल होती है और दस नई उसके सामने मुंह फाड़े खड़ी मिलती है। अंतर्मन में चल रहा संवाद एक कॉरपोरेट सेटअप में पनपते मानसिक तनाव को बखूबी दिखाता है। गौतम बत्रा के किरदार में अभिनेता बद्री चव्हाण का काम भी प्रभावी है। तनावपूर्ण स्थिति में ये एक ऐसा किरदार है जिसे देख-सुन कर थोड़ी देर के लिए ही सही लेकिन मुस्कुराहट तो आती है। सुनैना चौहान के रोल में आयुषी गुप्ता पूरी तरीके से एक कॉरपोरेट वुमन नजर आ रही हैं। निकेतन शर्मा ने नवीन शेट्टी के किरदार को बखूबी निभाया है। केतकी कुलकर्णी, शिवांकित परिहार और खुशबू बैद के सीन गुदगुदाते हैं।

टीवीएफ का सहारा, संगीत सर्वहारा वेब सीरीज 'क्यूबिकल्स सीजन 3' में इसके गानों ने कहानी को और भी भावनात्मक रूप दे दिया है। कार्तिक राव, वरुण जैन और अंकुर ज्योति, भार्गव कटेलिया और अरबिंद निओग की गायिकी में एक कशिश है जिसे अंकुर ज्योति, अरबिंद निओग, अनुराग सैकिया और कार्तिक राव ने सुर लहरियों में बांधकर दर्शकों के सामने रोचक तरीके से परोस दिया है। सीरीज की सिनेमेटोग्राफी, एडिटिंग, संगीत, बैकग्राऊंड म्यूजिक सब अपनी अपनी जगह मुस्तैद है।

सिंगल कॉलम

चांदी 1050 रुपये हुई सस्ती, देखिए इंदौर, उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार के भाव

इंदौर। रुपये की तुलना में डालर की दर मजबूत होने से विदेशों में कई बड़े निवेशक करंसी मार्केट की तरफ निवेश करने लगे हैं। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में चांदी में सटोरियों की जोरदार बिकवाली आने और निवेशकों की लेवाली बेहद कमजोर होने के कारण चांदी वायदा में गिरावट देखने को मिली है। कामेक्स पर चांदी वायदा 68 सेंट घटकर 23.04 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसके चलते भारतीय बाजार भी प्रभावित रहा और इंदौर में चांदी चौरसा 1050 रुपये घटकर 73000 रुपये प्रति किलो रह गई। चांदी की कीमतों में आई गिरावट से आने वाले दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों की ग्राहकी अच्छी निकल सकती है। दूसरी ओर कामेक्स पर सोना वायदा 16 सेंट घटकर 2049 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया।हालांकि इसका भारतीय बाजारों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि वैवाहिक सीजन वालों की छुटपुट रूप से ग्राहकी बाजार में दिखाई देने लगी है। इसके चलते सोना कैडबरी 63075 रुपये प्रति दस ग्राम पर मजबूत रहा। आगे वैवाहिक डिमांड गहनों में और बढ़ने की संभावना है। कामेक्स सोना ऊपर में 2049 तथा नीचे में 2039 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 23.04 व नीचे में 22.91 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

इंदौर में सोना-चांदी के बंद भाव

इंदौर में सोना कैडबरी रवा नकद में 63075 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 64550 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 59130 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। बुधवार को सोना 63060 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 73000 रुपये, चांदी टंच 73125 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 73100 रुपये प्रति किलो बोली गई। बुधवार को चांदी 74050 रुपये पर बंद हुई थी।

सोना स्टैंडर्ड 63150 रुपये तथा सोना रवा 63000 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 74300 रुपये तथा चांदी टंच 74100 रुपये प्रति किलो बोली गई।

स्टाकिस्टों की बिकवाली से सौंफ और जीरे के दामों में मंदी के आसार

राजस्थान और गुजरात जो सौंफ और जीरे के प्रमुख उत्पादक केंद्र हैं, इन राज्यों में नई सौंफ और नए जीरे की आवक धीरे-धीरे शुरू हो गई है। इस बार दोनों का उत्पादन पिछले साल से काफी ज्यादा हुआ है। इसके चलते उत्पादक राज्यों में स्टाकिस्टों की बिकवाली जोरों पर चल रही है, जबकि लेवाली बेहद कमजोर है। इससे वहीं कीमतों घटाकर बोली जा रही है। इंदौर में फिलहाल जीरे में ग्राहकी का सपोर्ट नहीं मिल रहा है। आगे नए मालों को ध्यान में रखते हुए सौंफ और जीरे की कीमतों में और मंदी की उम्मीद की जा रही है।

जीरा ऊंझा 420 से 450, बेस्ट 550 से 640 सौंफ मोटी 175 से 200, मीडियम 225 से 325, बेस्ट 425 से 425, बारीक 330-400 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया। दूसरी ओर खोपरा बूरे में धीरे-धीरे मांग बढ़ने लगी है जबकि आवक पर्याप्त मात्रा में नहीं होने के कारण भाव में तेजी की उम्मीद की जा रही है। दरअसल, सरकारी खरीदी जल्द शुरू होने की चर्चाओं के चलते किसान फैक्ट्रियों को माल बेचने के बजाय सरकार को तुलवाने के लिए रोक रहे हैं, जिससे खोपरा बूरा फैक्ट्रियों को कच्चा माल नहीं मिल पा रहे है।

वहीं शादियों का सीजन को ध्यान में रखते हुए चारों तरफ की डिमांड

उत्पादक केंद्रों पर आना शुरू हो गई है, जिससे दाम बढ़ाकर बोले जा रहे है। खोपरा गोला और नारियल में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई विशेष परिवर्तन नहीं रहा। नारियल 120 भरती 1450-1500, 160 भरती 1500-1550, 200 भरती 1650-1700, 250 भरती 1800-1850 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे। खोपरा गोला बक्सा 120-140 कट्टे 115 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2375-4100 रुपये प्रति (15 किलो) के भाव रहे।

शकर में लोकल पूछताछ अच्छी रहने से भाव मजबूती पर टीके हुए है। शकर नीचे में 3940 ऊपर में 3975 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक सात गाड़ी की रही। ट्रकों की हड़ताल खुलने से इंदौर के आसपास के क्षेत्रों की हुई बुकिंग का माल बड़ी मात्रा में ट्रकों में लोड हो रहा है। इससे बुधवार को सियागंज में कारोबार अच्छा देखा गया।

शकर- शकर 3940-3950, एम-शकर 3960-3975 गुड करेली कटोरा 4000-4100, लड्डू 4300-4400 बरफी 4700-4800 गिलास एक किलो 4600-4900 भेली 3800-3900, रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

नारियल- नारियल 120 भरती 1450-1500, 160 भरती 1500-1550, 200 भरती 1650-1700, 250 भरती 1800-1850 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे। खोपरा गोला बक्सा 120-140 कट्टे 115 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2425-4100 रुपये प्रति (15 किलो) के भाव रहे।

फलाहारी- सच्चा मोती एगमार्क साबूदाना (एक किलो) 7180 सच्चासाबु एगमार्क (एक किलो) 7180 (500 ग्राम) 7300, रायल रतन सच्चामोती (एक किलो) 8200, रायलरतन सच्चामोती (500 ग्राम) 8260 व लूज 7800, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5500 व 35 किलो पैकिंग में 4500, सच्चामोती मोरधन (आधा किलो) 10500 सिंघाड़ा छोटा 85-95 बड़ा 108-115 रुपये।

पूजन सामग्री - देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 85-110, बेस्ट 155 से 175, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7500 रुपये।

मसाले- हल्दी निजामाबाद 150 से 175, हल्दी लालगाय 260-265 कालीमिर्च गारबल 635 से 655 एटम 675 से 690, मटरदाना 700 से 715, जीरा ऊंझा 420 से 450, बेस्ट 550 से 640 सौंफ मोटी 175 से 200, मीडियम 225 से 325, बेस्ट 425 से 425, बारीक 330-400, लौंग मीडियम 840 से 875, बेस्ट 925-955 दालचीनी 240-260, जायफल 580-600, बेस्ट 700-750 जावत्री 1850-1950, बड़ी इलायची 1200 से 1350 बेस्ट 1450 से 1550, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 425-475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 600-650 शाहजीरा खर 340 से 365, ग्रीन 600-625, तेजपान 95-105, नागकेसर 925 से 975, सौंठ 355 से 375 बेस्ट 375 से 400, धोली मूसली 2100 से 2250, हींग 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925, हरी इलायची 1850-1900 मीडियम बोल्ड 2100 से 2300 बोल्ड 2400-2500 बेस्ट ए बोल्ड 2550-2800 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये।

सूखे मेवे- काजू डब्ल्यू 240 नंबर 750-825, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 700 से 720, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 650-675, काजू जेएच 575-625 टुकड़ी 500-550, बादाम 535-540 बेस्ट 650-660 टाच 540-550 खसखस मीडियम 600-750 बेस्ट 1150-1250 ए.बेस्ट 1200 तरबूज मगज 825-875 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 300 किशमिश कंधारी 425 से 475, बेस्ट 550-650, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925 केसर ब्रांडेड् 185 से 188 अन्य 155-165 पिस्ता अमेरिकन 1300-1450 ईरानी 1550-1600 नमकीन पिस्ता 850 से 1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

सरकार के पास भी सिमटा चने का स्टाक, बोवनी भी घटने से तेजी की संभावना

चना बोवनी पिछले साल की तुलना में कमजोर बताई जा रही है। 2023 में नाफेड ने शुरुआती दौर ऊंचे भावों पर चने की बिक्री किए जाने के बाद बाजारों में तेजी का माहौल बना गया था। 2022 में जो चना 4850 के औसतन भाव पर बिका था उसी चना ने पिछले साल 6200 से ऊपरी स्तर को छू लिया था। अभी तक एजेंसियों द्वारा पोर्टल पर चना का स्टाक नहीं दिया गया। इससे साफ है कि सरकार द्वारा बड़ी मात्रा में चना बेचे जाने के बाद केंद्र पूल में स्टाक काफी सिमट चुका है।जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश में रबी 2023 का स्टाक नाफेड के पास खत्म हो गया है। वहीं राजस्थान-गुजरात में भी सीमित रूप से बताया जा रहा है। इधर, घटती बोवनी और उपलब्धता को देख सरकार ने मटर आयात खोला दिया है। मटर आयात खुलते ही दलहन बाजार पुन: वेंटिलेटर पर आ गए, जो दो साल पहले आये थे। यह आयात 31 मार्च 2024 तक जारी रहेगा परन्तु जिस तरह ब्लैक सी समुद्री मार्ग में दिक्कतें हो रही हैं उससे आयात समय सीमा को मार्च से अधिक बढ़ाया जा सकता है ताकि चुनावी माहौल के दौरान दलहन की कीमतें नियंत्रित रहें। मटर आयात खोले जाने का असर केवल चना ही नहीं तुवर, मसूर, उड़द, मूंग सभी पर पड़ रहा है। चूंकि अब सरकार के पास भी चना स्टाक काफी सिमट जाने से खुले बाजारों में मांग का दबाव बढ़ने के कारण तेजी आने लगी है। बुधवार को चना कांटा बढ़कर 5775-5800 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। अगले साल भी चना बाजारों में तेजी के सेंटीमेंट्स अधिक नजर आ रहे है जो भी नई सरकार बनेगी वे 3-4 महीने तक जल्द ही हस्तक्षेप नहीं करेगी। बाजार दो प्रकार से चल सकते हैं। खरीद के दौरान अगर कीमतें एमएसपी से ऊंची रही और सरकारी खरीद कम रही तो भविष्य में चना बाजार की कीमतों में तेजी आएगी।

केपटाउन की पिच को लेकर भड़के डेल स्टेन, बोले- दो दिन का कोई..

नई दिल्ली। *साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीका दूसरा टेस्ट दो दिन के अंदर खत्म होने से काफी गुस्से में नजर आए। उनका कहना है कि दो दिन के अंदर खत्म होने वाले मैच टेस्ट मैच नहीं होते हैं। बता दे, केपटाउन में खेला गया यह टेस्ट मैच गेंदों के हिसाब से टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे छोटा टेस्ट मैच है। यह मुकाबला मात्र 107 ओवर में ही खत्म हो गया। भारत ने केपटाउन में पहली बार तिरंगा लहराते हुए मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया और सीरीज का अंत 1-1 की बराबरी पर किया। दूसरा टेस्ट दो दिन के अंदर खत्म होने के बाद हर जगह पिच को लेकर चर्चा जारी है, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी। हालांकि 'एक्स' पर प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए टैलेंट स्काउट वेरनर पिच क्यूरेटर का बचाव करते हुए नजर आए। उनके इस पोस्ट पर ही डेल स्टेन ने अपनी भड़ास निकाली है। वेरनर ने लिखा 'मैं ब्रैम मोंग (पिच क्यूरेटर) के लिए संवेदना व्यक्त करता हूं। यह न्यूलैंड्स में उनके द्वारा तैयार की गई पहली अंतरराष्ट्रीय पिच है। परिस्थितियाँ कठिन थीं, इसलिए उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त घास छोड़ने का निर्णय लिया कि पिच पर दरारें जल्दी न खुल जाएं। यह उनपर भारी पड़ा, उम्मीद है कि उसे खुद को बचाने का मौका मिलेगा।' वेरनर की इस पोस्ट का जवाब देते हुए डेल स्टेन ने लिखा 'हम दरारों से इतना डरते क्यों हैं? सिडनी, पर्थ के बारे में सोचें। वहां दरारें इतनी चौड़ी हैं कि आप उनके अंदर कार पार्क कर सकते हैं, और फिर भी वे हमेशा 4 और 5 दिन में पहुंच जाती हैं। यह व्यर्थ है कि एक टेस्ट मैच इतनी जल्दी ख़त्म हो जाए कि आपको दरार का कोई संकेत भी न दिखे। आए दिन पिचें बिगड़ती रहती हैं, ऐसा होने दीजिए। दो दिन का टेस्ट कोई टेस्ट मैच नहीं हैं।*

रोहित शर्मा ने की केपटाउन टेस्ट की तुलना गाबा की जीत से, बोले- रैंकिंग देना मुश्किल है, लेकिन...

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को सीरीज बराबर करने वाली 7 विकेट की जीत को कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक करार दिया और इसे 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा में मिली ऐतिहासिक जीत के बराबर रखा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने मिलकर दक्षिण अफ्रीका के 20 में से 15 विकेट झटके जिससे भारत ने पांच सत्र के अंदर मेजबानों को हराकर शानदार वापसी की। भारत को पहले टेस्ट में सेंचुरियन में पारी और 32 रन से हार मिली थी। टेस्ट इतिहास के सबसे छोटे मैच के खत्म होने के बाद रोहित ने कहा, 'यह हमारी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जीत में से एक है। हम यहां कभी नहीं जीते थे, यह हमारी सभी जीत के साथ सबसे ऊपर है।' वह किसी अन्य टेस्ट की जीत से इसकी तुलना नहीं करना चाहते

लेकिन रोहित को लगता है कि ब्रिसबेन में मिली जीत भी इतनी ही महत्वपूर्ण थी क्योंकि 33 साल में ऑस्ट्रेलिया को दौरा करने वाली टीम वहां नहीं हरा सकी थी। रोहित ने कहा, 'कहीं और मिली टेस्ट जीत से तुलना करना मुश्किल है। इन टेस्ट को रैंकिंग देना मुश्किल है। प्रत्येक टेस्ट मैच की अपनी अहमियत होती है। मुझे लगता है कि गाबा में ऑस्ट्रेलिया पिछली बार 1988 में हारा था। तो यह उनका गढ़ बन गया था और हमने जिस तरह से टेस्ट जीता, वह महत्वपूर्ण था।' उन्होंने कहा, 'आप टेस्ट को रैंक नहीं कर सकते। हालांकि यह जीत ऊपर ही होगी। यह दिखाता है कि यह कितना महत्वपूर्ण स्थल है और यह आकर जीतने का श्रेय टीम को जाता है।' रोहित ने हालांकि घुमा फिराकर कहा कि वह तीन मैच की टेस्ट सीरीज खेलना पंसद करेंगे लेकिन इस ड्रा को 2024 की अच्छी शुरूआत कहेंगे। उनसे जब पूछा गया कि क्या तीन मैच की टेस्ट सीरीज आदर्श होती तो कप्तान ने कहा, 'यह हमारे हाथ में नहीं है। मैं मैच के शेड्यूल का फैसला नहीं कर सकता, मैं कुछ और ही करूगा। जो है, वही खेलना है। हमें इस श्रृंखला में खेलने पर गर्व है।' उन्होंने कहा, 'हमने पहला मैच गंवा दिया, वे अच्छा खेले। हम यहां जीते, हम अच्छा खेले। हम यहां कभी नहीं जीते थे तो इस युवा टीम के लिए यह गर्व का पल है। इस श्रृंखला से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।' भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गया है और कप्तान ने कहा कि धीमी ओवर गति से अंक गंवाने के बाद इस मैच को जीतना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'टेस्ट मैच जीतना महत्वपूर्ण है। नए साल की यह शुरूआत अच्छी है। हमने ओवर गति के कारण कुछ अंक गंवा दिये थे इसलिये यह जीत महत्वपूर्ण थी।'

दाल बाटी बनाते समय रखें इन बातों का ध्यान खाकर हर कोई चाटता रह जाएगा उंगलियां

जब भी राजस्थान का नाम जहन में आता है तो वहां के कल्चर, रहन-सहन, खान पान और रेगिस्तान की तस्वीरें नजरों के सामने घूमने लगती हैं। राजस्थान अपने खान-पान की वजह से काफी चर्चा में रहता है। अगर वहां कि खास डिश की बात करें तो दाल बाटी चूरमा को हर कोई पसंद करता है। वैसे तो राजस्थान के हर घर में दाल बाटी चूरमा बनाया जाता है, पर अब इसका क्रेज देश भर के साथ-साथ विदेशों में देखा जाता है। अक्सर जब हम बाटी बनाते हैं तो या तो ये कच्ची रह जाती है या फिर इतनी टाइट हो जाती है, जिसे खाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी इसी परेशानी का सामना करती हैं, तो इसका आज हम आपको इसका हल बताएंगे। दरअसल, आज हम आपको बाटी बनाने के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप बिल्कुल राजस्थान के जैसी बाटी बना पाएंगी। बाटी बनाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि इसका आटा नर्म ना हो। बाटी का आटा जितना टाइट होगा, आपकी बाटी उतनी ही अच्छी बनेगी। ऐसा करने से बाटी काफी कुरकुरी बनती है। आटा गूंथते समय ना करें घी की कमी अक्सर लोगों को ऐसा कहते सुना जाता है कि वो ज्यादा घी नहीं इस्तेमाल करते। पर, अगर आप बाटी के लिए आटा गूंथ रहीं हैं तो उसमें घी की मात्रा का अच्छे से ध्यान रखें। घी की वजह से ही ये अंदर से सॉफ्ट बनेगी। कुछ देर आटे को ऐसे ही रखें बाटी बनाने के लिए जब आप आटा गूंथ लें तो इसको कम से कम तीस मिनट ऐसे ही रख दें। तब तक आप दाल की तैयारी कर सकती हैं। घी में जरूर करें डिप बाटी का स्वाद घी की वजह से ही काफी बढ़ जाता है। जब ये बन जाए तो इसे घी में जरूर डिप करें। अगर आप गर्मागर्म बाटी को घी में डुबो देंगे तो इससे उसका स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

धनगोर गूंजी जिला स्तरीय दुर्गा चालीसा पाठ में शामिल हुई केंद्रीय अध्यक्ष बहन पूजा शुक्ला

ज्यादा मोबाइल चलाने से दिमाग कमजोर होता है बहन- पूजा शुक्ला

दमोह। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंच ज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धेश्वर धाम के संयुक्त तत्वाधान में नए वर्ष पर देश-विदेश में हजारों जगह दुर्गा चालीसा पाठ के आयोजन किए गए बीवी वही जिसमें दमोह मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर धनगौर गंजी में जिला स्तरीय दुर्गा चालीसा पाठ का भाव आयोजन किया गया यह आयोजन सोमवार 1:00 बजे से मंगलवार 1:00 तक 24 घंटे चला रहा जिसमें हजारों की संख्या में ग्रामवासी एवं क्षेत्र वासियों एवं जिला वासियों की उपस्थिति रहीं। वही समापन पर भगवती मानव कल्याण संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष शक्ति स्वरूपा बहन पूजा शुक्ला जी एवं सिद्धाश्रम चेतना आलूनी दीदी जी की गरिमामय उपस्थिति रही केंद्रीय अध्यक्ष का जिले में प्रवेश करते ही जगह-जगह स्वागत किया क्या हजारों लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष पूजा शुक्ला जी ने कहा कि आपने देखा होगा नए वर्ष पर जगह-जगह लोग शराब पीकर झूठ थे नजर आते हैं लेकिन नया वर्ष में तो हमें संकल्प लेना चाहिए कि आज से हम नशे में से मुक्त चरित्रवान जीवन जिएंगे केंद्रीय अध्यक्ष बहन ने कहा की एक तरफ तो समाज नशे में धुत होकर नया वर्ष मानता है लेकिन हमारे संगठन के कार्यकर्ताओं ने देश-विदेश में कई हजार जगह मां के गुणगान से शुरुआत की हो तो ठीक है संगठन के कार्यकर्ताओं ने अवैध शराब पड़कर नया वर्ष मनाया बहन पूजा शुक्ला जी ने आगे कहा कि मोबाइल से हमें दूर रहना चाहिए युवा मोबाइल का उपयोग करके अपने आप को पाटन की ओर ले जा रहे हैं कई घंटे तक आप मोबाइल चलाते रहते हो मोबाइल आपके दिमाग को आधा कमजोर कर देता है मोबाइल का काम से कम उपयोग करें अगर आपको देखना ही है तो अच्छी-अच्छी चीज देखें जिसे आप मोबाइल चलाओगे उतना दिमाग काम काम करना शुरू कर देता है। वहीं श्री दुर्गा चालीसा में पहुंचे सभी का बहन वीसी जी ने पंच ज्योति सिंहासन धाम में आवाहन किया और 10 एवं 11 फरवरी बिलासपुर में होने वाली शक्ति चेतना जन जागरण सुबह में अधिक से अधिक जिले से लोगों के लिए पहुंचने के लिए कहा ग्राम के सरपंच सहित हजारों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहें।

वाहन चालको पर काला कानून थोपना न्याय संगत नहीं- अजय टंडन

दमोह। हिट एवं रन को लेकर हड़ताल कर रहे ट्रक बस ड्राइवर की हड़ताल को स्थानीय बस स्टेण्ड पर ड्राईवरो के बीच जिला कांग्रेस कमेटी ने अपना सर्मथन देते हुए पूर्व विधायक अजय टंडन ने कहा कि यह काला कानून केवल ट्रक बस ड्राइवरो के लिये नही है बल्कि वह सभी व्यक्ति जो कोई न कोई वाहन चला रहे है अथवा निजी ड्राइवरो से चलवा रहे है उन सबसे लिये है जनता के हित में यह काला कानून अविलंव वापिस लिया जाये। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रतनचंद जैन ने कहा कि अहंकारी मोदी ने पहले किसानो पर काला कानून लगाया नोटबंदी की, अब वाहन चालको पर ऐसे काले कानून थोपना न्याय संगत नहीं है इन चालको के साथ कांग्रेस पाटी खड़ी है केन्द्र द्वारा थोपे गये काले कानून को वापिस करवा कर रहेगे। वही वाहन चालको ने बताया कि जिस तरह 7 लाख का जुर्माना और दस वर्ष की सजा का फरमान जारी हुआ है उससे तो कोई भी व्यक्ति लालच के चक्कर में उनसे जानबूझकर टकरायेगा गरीब वाहनो चालको पर ऐसे काले कानून को थोपा गया तो वह अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले जायेगे और कोई भी वाहन नहीं चलने देगे। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारी प्रफुल्ल श्रीवास्तव, अरूण मिश्रा, अजय सरवरिया, रोहित जैन, रिंकू, संदीप बरदिया, राजा खान, रियाज खान, सादिक काजी, दामोदर पटेल, लोकेन्द्र सिंह सहित सैकड़ो वाहन चालको की उपस्थिति रही।

रोडमैप तैयार कर 100 दिन में लक्ष्य हासिल करें - मंत्री पटेल

मंत्रालय में की ग्रामीण विकास और श्रम विभाग की समीक्षा

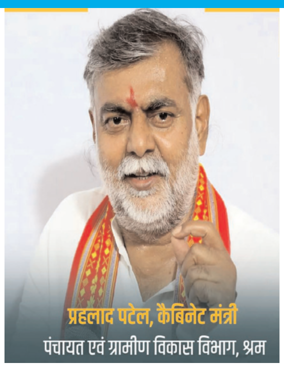
प्रहलाद पटेल, कैबिनेट मंत्री
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, श्रम

दमोह पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने विभागीय समीक्षा करते हुए रोडमैप तैयार कर 100 दिन में लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिये है। श्री पटेल ने आज मंत्रालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभागीय समीक्षा की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह भी मौजूद थी। मंत्री पटेल ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास की बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने केन्द्र प्रवर्तित अमृतकाल की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि केन्द्र सरकार की योजनाओं का प्रदेश में बेहतर क्रियान्वयन हुआ है। मंत्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री आदिवासी महान्याय अभियान को और अधिक गति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सहरिया, बैगा और भारिया जनजाति के लोगों को आवास निर्माण के लिये 2 लाख रूपये की राशि प्रदान की जायेगी। इसके साथ ही शौचालय बनाने के लिये अलग से राशि मिलेगी। इतना ही नहीं मनरेगा में निर्माण संबंधी मजदूरी भी मिलेगी। मंत्री पटेल ने रोडमैप तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि सहरिया, बैगा और भारिया जनजाति के लोगों की 100 मकान की आबादी होने पर भी सड़क निर्माण का कार्य सुनिश्चित करायें। लेबर केस 100 दिन में पोर्टल पर अंकित करायें श्रम विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों को लेबर केसेस मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर श्रम के सभी प्रकरणों को 100 दिनों में दर्ज कराने के भी निर्देश दिये। प्रयास करें कि श्रम विभाग का कार्य डेशबोर्ड पर हो, मेन्यूअल नहीं। मंत्री पटेल ने कहा कि पोर्टल पर लेबर केस अंकित करने में देश के प्रथम 3 राज्यों में मध्यप्रदेश शामिल है। उन्होंने कहा कि हमें मध्यदेश को प्रथम स्थान पर लाना है। मंत्री पटेल ने मजदूरों को दिए जाने वाले कौशल विकास प्रशिक्षण कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। मंत्री पटेल ने जल्द ही पदनाम परिवर्तित कर जल्द ही रिक्त पदों की पूर्ति करने के लिये कहा। मंत्री पटेल ने बैठक में स्पष्ट किया कि श्रम कानूनों को बेहतर बनाने के कार्य करेंगे। जो लक्ष्य तय किये है, उन्हें 100 दिन के पहले हासिल करेंगे।

नववर्ष 2024 के अवसर पर ग्राम बांसा कलां में गौ शाला का हुआ शुभारंभ

ग्राम बांसा कलां और सजियाहार के लोगों के जन सहयोग से बनाई गौ शाला

ग्राम बांसा कला सजियाहार में मां हरसिद्धि मंदिर स्टेडियम के पीछे गौशाला का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पशुपालन एवं डेयरी विभाग मध्यप्रदेश शासन के पुत्र लोकेन्द्र पटेल और सरपंच यतेन्द्र सिंह बांकड़ा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। गौ शाला ग्राम बांसा कलां सजियाहार का उद्देश्य हैं, ग्राम में जो आवारा पशु घूमते हैं, उनको गौशाला में रखा जाएगा, गौशाला में पानी, भूसा, आदि घूमने बैठने की व्यवस्था लोगों के जन सहयोग से की गई हैं। गौ शाला में सिर्फ ग्राम बांसा कलां, सजियाहार के पशुओं को रखा जायेगा। गौ शाला में किसी अन्य ग्राम शहर के पशुओं को गौ शाला में नहीं लिया जायेगा। गौ शाला में पशु लाने पर 251 रुपये की राशि दान के रूप में गौ माता के साथ जमा करनी पड़ेगी। गौ शाला में गौ सेवा करने के लिए 1000 रूपये की नगद राशि और गर्मी के समय एक ट्रॉली भूसा गौ शाला में दान करना पड़ेगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

भाजपा दीनदयाल नगर मंडल कर समिति बैठक संपंन

दमोह। भारतीय जनता पार्टी दीनदयाल नगर मंडल की कार्य समिति की बैठक जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी की अध्यक्षता में भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य वक्ता जिला उपाध्यक्ष संजय सेन , कार्यालय मंत्री रामलाल उपाध्याय , मंडल अध्यक्ष कृष्णराज जी रहे कार्यक्रम का संचालन अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष गणेश जाटव जी द्वारा किया गया। मुख्य वक्ताओं द्वारा आगामी कार्यक्रम विकसित भारत संकल्प यात्रा, विश्वकर्मा योजना, राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा, नव मतदाता संबंधी कार्यक्रमों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया बैठक में प्रमुख रूप से नगर उपाध्यक्ष माखन खटीक, अभिषेक सोनी, मनीष असाटी, बबली विश्वकर्मा, पार्षद संजय पटेल जी नगर मंत्री रामकुमार अहीरवाल, मंजू चौहान सुनील अहीरवाल सहित मंडल के समस्त पदाधिकारी वार्ड अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष महामंत्री बीएलए एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

गौ हत्या के विरोध में हिन्दू संगठनों ने किया अंबेडकर चौक पर विरोध प्रदर्शन

पुतला दहल के बाद चेतावनी देते हुए ज्ञापन सौंपा

दमोह। जैसा कि ज्ञात है कि कई वर्षों से विभिन्न हिन्दू व सामाजिक संगठनो द्वारा समय समय पर दमोह नगर कि कसाई मंडी में स्तिथ अवैध बूचड़खानों में हो रही गौ हत्या के विषय को लेकर प्रशासन को कई बार ज्ञापन सौपकर अवगत कराया गया है, पर दमोह पुलिस प्रशासन अपने ही भ्रष्ट, लचर और उदासीन रवैये के चलते गौ हत्या बंद कराने में असमर्थ रहा है, जिसके कारण दमोह में आपराधिक प्रवृत्ति के हिस्ट्रीशीटर कसाइयों के हौसले इतने बुलंद हुए कि अब ये शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लगातार गौ वंश चोरी और गौ हत्या कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर दमोह प्रशासन को कई बार अवैध बूचड़खानों के अवैध निर्माण तोड़ने हेतु कई लिखित शिकायत और ज्ञापन देने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं कर सका। उक्त पुलिस प्रशासन और दमोह प्रशासन के गौ हत्या के प्रति उदासीन रवैये के चलते दमोह जिले में गौ हत्या चरम पर है, कुछ वर्ष पूर्व सिर्फ कसाई मंडी एक ऐसा स्थान था जहां पर अवैध गौ हत्या होती थी, वर्तमान में पुलिस प्रशासन कि मिली भगत से दमोह जिले में कई स्थानों पर गौ हत्या की जा रही है इसमें मुख्य रूप से दमोह कसाई मंडी, जबलपुर रोड स्थित चिरई चोंच, मड़ाहार गांव में कसाइयों के बने अवैध ईंट के भट्टो में और हथनी के जंगलों में गौ हत्या कर इनका मांस जबलपुर के साथ साथ हटा और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के मुस्लिम बहुल इलाकों में भेजा जा रहा है, उक्त सारी गौ हत्या पुलिस के कई आरक्षक और अधिकारियों को मोटी रकम पहुँचाकर की जा रही हैं, जिसके चलते आज तक पुलिस इन कसाइयों पर कोई भी बड़ी कार्यवाही नहीं सकी है, हास्यास्पद बात ये है कि जब जब पुलिस कसाई मंडी में रेड मारने जाती हैं उसके पहले ही पुलिस रेड की कार्यवाही मीडिया कर्मियों में चर्चा का विषय होती हैं, और जब पुलिस लाइट, कैमरा और मीडिया के साथ दबिश देती हैं तब दमोह में ब्रेकिंग न्यूज़ बनती हैं और पुलिस हीरो की तरह दिखाई जाती, जो एक भी कसाई को पकड़ने में नाकाम रहती हैं। गत कुछ समय से कसाई मंडी के कई दलाल जो गौ हत्या के एवज में मोटी रकम भ्रस्ट पुलिस कर्मियों को देते हैं थाने में नज़र आते रहे हैं। कई बार सीसीटीव फुटेज पुलिस को शिकायत के साथ उपलब्ध कराने के बाद भी पुलिस न ही थ्स् दर्ज की और न ही कोई कार्यवाही,जिससे दिन पर दिन कसाइयों के हौसले इतने बुलंद हुए कि उन्होंने बीट में कार्य कर रहे पुलिस कर्मी को ही तलवार लेकर खदेड़ दिया, फिर भी पुलिस कुछ नही कर पाई। पिछले वर्ष ही कसाई मंडी में स्तिथ चौकी में पदस्थ एक ।थ् स्टाफ की निर्मम हत्या कर दी गई, अपने ही सुरक्षा कर्मी की हत्या होने पर भी पुलिस और दमोह प्रशासन ने कोई भी कठोर कदम इस अवैध कसाई मंडी को खत्म करने के नही उठाया, जिसका परिणाम अब पूरा शहर इन कसाइयों की गौ वंश चोरी और गुण्डागर्दी के रूप में झेल रहा है। दमोह जिले के ही हटा तहसील के मड़ियादो के राजपुरा के जंगलों में स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से ट्रक कंटेनरों में चोरी किए गए गौवंश को परिवहन कर महाराष्ट्र बूचड़खानों में तक पहुँचाया जा रहा है, जहाँपर इन गौवंश की हत्या की जा रही हैं, बड़ी बात ये है कि इन जंगलों में ही पुलिस ने अपनी चौकी बना रखी है जिसे क्रॉस कर गौ वंश से भरे भारी मालवाहक ट्रक रोज़ क्रॉस होते हैं जिन्हें उक्त चौकी की पुलिस मोटी रकम लेकर सुरक्षित बाहर निकलती हैं, नवंबर 2022 में नगरपालिका दमोह द्वारा अवैध बूचड़खाने और अतिक्रमण तोड़ने के लिए नोटिस जारी कर 24 घंटे में अतिक्रमण हटाने की मोहलत दी पर आजतक दमोह नगरपालिका और प्रशासन के 24 घंटे की म्याद खत्म नही हुई, जिसके कारण अवैध बूचड़खाने और कसाई मंडी में अवैध निर्माण लगातार बनते जा रहे हैं जो अब अपराध का नया गढ़ है।

दमोह पुलिस और प्रशासन से हिन्दू जागरण मंच, सुरभी गौ सेवा समिति और सामाजिक संगठन निम्न विंदुयो पर अगले 15 दिनों में कार्य करने की मांग करता है- आपराधिक रिकॉर्डधारी कसाइयों पर छै। और जिलाबदर के तहत कार्यवाही हो। दमोह पुलिस के भ्रष्ट पुलिस कर्मियों और अधिकारियों की जाँच कर व इनकी सीडीआर रिपोर्ट निकालकर गलत पाए जाने पर कठोर कार्यवाही हो। कोतवाली में पदस्थ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों व इनके परिवारजनों की आर्थिक और चल अचल संपत्ति की जाँच हो। कसाईमंडी के समस्त अवैध बूचड़खाने और गौ हत्या करने वाले कसाइयों के अतिक्रमण ध्वस्त किए जाएं। कसाई मंडी में निगरानी हेतु मुख्य मार्गो पर सीसीटीव कैमरे लगाएं जाएं। कसाई मंडी एक बड़ी रेड कर घर घर की जांच की हो। एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के द्वारा पूर्व कलेक्टर को मीटिंग ऑफ मिनट्स के विंदुयो पर कड़ाई से पालन। राजपुरा के जंगलों से ट्रक कंटेनर से हो रही गौ तश्करी और गौ तशकरो पर कठोर कार्यवाही व गौ तश्करी में पकड़े गए वाहनों को राजसात किया जाए। गौ हत्या के एवज में पैसे वसूल रहे पुलिस कर्मियों और अधिकारियों को जिले से बाहर अन्य जिले में तत्काल ट्रांसफर किया जाए। जिले में शासकीय सहायता से संचालित हो रही गौशालाओं का निरीक्षण कर उनमें हो रही वित्तीय अनिमितताओं पर कठोर कार्यवाही की जाए। दमोह जिले की समस्त गौचर भूमियों को अतिक्रमण मुक्त किया जाए। पुलिस कार्यवाही में पकड़ी गई गौ वंश को तुरंत गौशालाओं में भेजने हेत एक गौशाला और वाहन उपलब्ध कराया जाए। खुले में और बाजार क्षेत्र में आवारा घूम रहे गौवंश के मालिकों पर कठोर चलानी कार्यवाही की जाए। अगर उक्त मांगो को निश्चित समयावधि में पूर्ण नही किया जाता, तो दिनाँक 23 जनवरी 2024 दिन मंगलवार को दमोह बंद और आत्मदाह जैसे कदम उठाने पर मजबूर होगा जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कलेक्टर श्री अग्रवाल नये वर्ष के अवसर पर पहुंचे वृद्धाश्रम, वृद्धजनो से लिया आर्शीवाद

लिया जायजा, दिये अहम् दिशा-निर्देश

कलेक्टर मयंक अग्रवाल नये वर्ष के अवसर पर वृद्धाश्रम पहुंचे, यहां उन्होंने वृद्धजनों की समस्याओं को सुना और आश्रम मे चल रहे नये कार्यो का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को वृद्धजनों की समस्याओं का निराकरण करने एवं जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने वृद्धों को शाल उड़ाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दमोह अर्पित वर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। कलेक्टर अग्रवाल ने जिले वासियों को नये वर्ष की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा वृद्धाश्रम में काफी सारे काम चल रहे है, इनमे जो कमिया रह गई है, उनकी जल्द से जल्द पूर्ती करने के लिये कहा है। नये वर्ष के दिन वृद्धों का आर्शीवाद भी मिल जाये यह भी कोशिश रही।

मूंदी नगर में वाहन ड्राइवर्स ने पुलिस को सोपा ज्ञापन

धरना स्थल पर कुछ लोग देते हैं। गाली गलोच

धरना स्थल पर पुलिस जवान रहे तैनात ताकि कोई विवाद ना हो सकें ड्राइवर्स

मूंदी नगर में जहा वाहन ड्राइवर्स हिट एंड रन कानून का विरोध कर रहे हैं। ड्राइवर्स ने मंगलवार शाम 8 बजे मूंदी थाने पहुंच कर आवेदन एएसआई सूरज पाटिल को सोपा है। ड्राइवर्स ने आवेदन के माध्यम से अवगत कराया की हम सभी ड्राइवर्स के द्वारा नए कानून के विरोध में टैम्पो स्टेंड पर पर शांतिपूर्वक धरने पर बैठे हैं। और धरने की जगह पर कुछ असामाजिक तत्व आकार के गाली गलौज कर गलत बात करते है। वही कुछ लोग वाहन चालकों को गाली देना उनको पत्थर मारना व शराब पीकर झूमा झटकी करते हैं। वाहन चालक अपनी जगह सही रहते हैं। पर कुछ लोग इस तरह की हरकत कर रहे है। वही वाहन ड्राइवर्स ने धरना प्रदर्शन स्थल पर पुलिस के जवानों को तैनात रहने का आग्रह किया । वही पुलिस ने भी इस मामले में जांच करने की बात कही है। और गाली गलौज करने वालो पर कार्यवाही करने का आश्वासन ड्राइवर्स को दिया है।

पुलिस अधीक्षक ने किया पेट्रोलियम प्लांट का निरीक्षण

धार आवश्यक वस्तुओ की निर्बाध आपूर्ति को दृष्टिगत रखते हुए धार पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह ने पीथमपुर स्थित पेट्रोलियम प्लांट का निरीक्षण किया एवम बीपीसीएल के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की एवम अधिकारियों को निर्देश दिए की पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई में जिले में कही भी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल सूचना देवे करावे, वही पेट्रोलियम उत्पादों से जुड़े वाहनों की जिले में सुरक्षित परिवहन के निर्देश सभी एसडीओपी एवम थाना प्रभारियों को दिए ।

सिंगल कॉलम

जीतना है तो भुलाने होंगे आपसी मतभेद

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि लोकसभा चुनाव जीतने के लिए आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होना होगा। उन्होंने पार्टी के आंतरिक विवादों को सार्वजनिक न करने की भी नसीहत दी। खरगे ने बीते दिन यानी गुरुवार को राहुल गांधी, सभी पार्टी महासचिवों, प्रभारियों, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और राज्यों में कांग्रेस विधानसभा दल के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा केंद्र में 10 साल की अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए भावनात्मक मुद्दे उठा रही है। हर मुद्दे में वे जानबूझकर कांग्रेस को शामिल करते हैं। हमें एकजुट होकर लोगों के सामने जमीनी मुद्दों पर भाजपा के झूठ, फरेब और गलत बातों का मुंहतोड़ जवाब देना है। खरगे ने नेताओं से अपने मतभेद दूर करने, आंतरिक मुद्दों को मीडिया में न उठाने और एक टीम के रूप में काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि रात-दिन परिश्रमकर 2024 के लोकसभा के चुनावों में हम लोग वैकल्पिक सरकार देने में सक्षम होंगे। जहां हम कमजोर हैं, वहां कुछ खास जनाधार वाले लोगों और सीटों की पहचान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी पार्टी के आंख और कान हैं। आप जानते हैं कि जो कुछ हमें करना है, उसके लिए अगले तीन महीने ही हमारे पास हैं, इसमें रात-दिन एक करके हमें पार्टी के लिए जी जान से जुटे रहना है। घोषणापत्र और सीट बंटवारे पर भी चर्चा कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति, घोषणापत्र और सीट बंटवारे पर चर्चा शुरू की। सूत्रों ने कहा, बैठक में पार्टी ने अपनी जीत की संभावना वाली करीब आधी लोकसभा सीटों पर पूरी ताकत से ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। कांग्रेस कुल सीटों में से आधे से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की सोच रही है। पार्टी ने राज्य इकाइयों से उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया शुरू करने और पहली सूची उपलब्ध कराने को कहा है। पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची बहुत जल्द घोषित होने को देखते हुए इस सप्ताह तक सभी राज्यों के लिए स्क्रीनिंग समितियों की घोषणा होने की संभावना है। पार्टी ने घोषणापत्र तैयार करने के लिए चर्चा भी शुरू की क्योंकि इस संबंध में गठित समिति की पहली बार बैठक हुई। 100 लोस सीटों से गुजरेगी यात्रा राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान 66 दिन में 6,713 किलोमीटर से अधिक की यात्रा बसों के जरिए और पैदल तय की जाएगी। इसमें 110 जिले, लगभग 100 लोकसभा सीटें और 337 विधानसभा क्षेत्र शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा ने पूरे देश का माहौल बदल दिया था और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी थी। यह यात्रा पार्टी और देश के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुई। इंडिया' के नेताओं को आमंत्रित कर रही कांग्रेस कांग्रेस विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं को यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रही है और इसके लिए निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। रमेश ने दावा किया कि 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' राजनीति के लिए उतनी ही परिवर्तनकारी साबित होगी जितनी कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' हुई थी।

राम मंदिर को लेकर धीरेंद्र शास्त्री का बयान- यह सनातनियों की सबसे बड़ी जीत है

नेशनल डेस्क- *बागेश्वर धाम के महंत पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हाल ही में एक इंटरव्यू में भगवान राम और सनातन धर्म के संबंध में कई महत्वपूर्ण बातें साझा की हैं। धीरेंद्र शास्त्री राम मंदिर जाने को लेकर अति उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, राम मंदिर आज तक की समस्त सनातनियों की सबसे बड़ी विजय है। यह उत्सव दीपावली से बहुत ज्यादा खास है। निश्चित ही कोई अभागा होगा, जिसको इस दिन का इंतजार न हो। उन्होंने आगे कहा, हमको तो है, राम भक्तों को है। केवल भारतीयों को नहीं, दुनियाभर में रहने वाले भारतवंशियों को इस दिन का बेसब्री से इंतजार है। धीरेंद्र शास्त्री ने सभी लोगों से अपील की है कि सभी इस दिन दीपावली मनाएं। उत्सव का उत्साह बहुत है। प्रेम अधिक होता है तो वाणी कम बोलती है, आंखें ज्यादा बोलती हैं। ठुमका लगाने को जी चाहता है। अयोध्याजी जाने को जी चाहता है।इससे पहले सनातन धर्म को अहिंसा के परम धर्म के रूप में बताया है और उन्होंने कहा कि धर्म की रक्षा करने का अधिकार हमें है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने बताया कि सनातन धर्म में विवादों की जगह संवाद को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें विवाद नहीं, संवाद चाहिए। बागेश्वर बाबा ने आगे यह भी जताया कि आस्था की मिटाने का प्रयास नहीं करना चाहिए और यह भी स्पष्ट कर दिया कि एक धर्म के अनुयायियों को दूसरे धर्म की आस्था के साथ खिलवाड़ करने का कोई अधिकार नहीं है।*

ब्रिटिश अभिनेत्री ग्लाइनिस जॉन्स का निधन

ब्रिटिश अभिनेत्री ग्लाइनिस जॉन्स का गुरुवार को लॉस एंजिल्स में निधन हो गया। उनके प्रबंधक ने इसकी पुष्टि की। वह दर्जनों फिल्मों में दिखाई दीं और एक कुशल थिएटर कलाकार भी थीं। उनके मैनेजर मिच क्लेम ने एक बयान में कहा कि उनकी मौत हॉलीवुड के लिए एक दुखद दिन है। जॉन्स ने 1964 की क्लासिक डिज्नी म्यूजिकल मैरी पोपिन्स में डेम जूली एंड्रयूज के साथ अभिनय किया, जिसने पांच ऑस्कर जीते। सांसद क्रिस ब्रायंट ने भी दी श्रद्धांजलि ग्लाइनिस के प्रबंधक ने मीडिया को बताया कि वह अमेरिका से सेवानिवृत्त हो गईं। अपने अंतिम वर्ष हॉलीवुड में एक सहायता प्राप्त घर में बिताए, जहां उनकी शांतिपूर्वक मृत्यु हो गई। अक्तूबर में उनके 100वें जन्मदिन से पहले, लेबर सांसद क्रिस ब्रायंट ने जॉन्स को नाइट की उपाधि देने का आह्वान किया था। उन्होंने गुरुवार को ट्वीट किया, %बहुत दुखद। महान ब्रिटिश अभिनेताओं में से एक जिन्हें उपाधि दी जानी चाहिए थी। अभिनेत्री के परिवार में उनके पोते थॉमस फोरवुड, जो पेरिस में रहते हैं, और उनके तीन परपोते हैं। उन्हें ब्रिटेन में उनके पिता के बगल में दफनाया जाएगा। अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी में एक की मौत, पांच घायल अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना सामने आई है। यहां आयोवा प्रांत के एक स्कूल में 17 वर्षीय लड़के द्वारा की गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया। इस घटना में छठी कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक आरोपी मृत पाया गया। साथ ही उसके शरीर पर गोलियों के निशान भी मिले हैं। न्यूयॉर्क सिटी में दो ट्रेनों में टक्कर, 20 से अधिक लोग घायल अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में गुरुवार को एक सबवे ट्रेन धीमी गति से चल रही एक अन्य ट्रेन से टकराने के बाद पटरी से उतर गई। इस हादसे में 20 से अधिक लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन हादसे के कारण दोपहर के व्यस्त समय के दौरान मैनहट्टन में रेल सेवा बाधित हो गई। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपर वेस्ट साइड पर दोपहर लगभग तीन बजे (स्थानीय समयानुसार) लगभग 300 यात्रियों को ले जा रही एक ट्रेन मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी की ट्रेन से टकरा गई। अमेरिका के चार प्रांतों में अस्पतालों के भीतर मास्क अनिवार्य अमेरिका में कोविड, मौसमी फ्लू और सांस संबंधी अन्य रोगों में वृद्धि के बीच चार प्रमुख प्रांतों में अस्पतालों के भीतर मास्क की अनिवार्यता बहाल कर दी गई है। इन राज्यों में न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया, इलिनोइस व मैसाचुसेट्स शामिल हैं। रोग नियंत्रण-रोकथाम केंद्रों (सीडीसी) के ताजा साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, 17-23 दिसंबर तक पूरे अमेरिका में कोविड के बीच 29,000 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए। मरीजों का इतनी संख्या में अस्पतालों में भर्ती होना इससे पिछले सप्ताह से 16त्न अधिक था। सजा सुनाते समय लास वेगास के जज पर अपराधी ने किया हमला नेवादा के एक व्यक्ति ने लास वेगास अदालत कक्ष में एक न्यायाधीश पर हमला कर दिया। लास वेगास रिव्यू-जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार हिंसा की घटना उस वक्त हुई, जब बुधवार को क्लार्क काउंटी जिला न्यायालय में न्यायाधीश मैरी के होल्थस 30 वर्षीय रेडन, जो एक गंभीर हमले में दोषी पाया गया और उसे जेल की सजा सुनाने जा रही थीं। पूरी घटना कोर्ट रूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इमरान की पार्टी का चुनाव चिह्न बहाल नहीं, याचिका रद्द

पाकिस्तान में चुनाव से पहले जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी को लाहौर हाइकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। उसने चुनाव आयोग के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसके संगठनात्मक चुनावों को असांविधानिक घोषित किया गया था और उसके प्रतिष्ठित क्रिकेट बल्ले के चुनाव चिन्ह को रद्द कर दिया गया था। लाहौर उच्च न्यायालय ने पीटीआई नेता उमर आफताब की याचिका को रद्द कर दिया।

यूरोप में ठंड से टूटा 25 वर्ष का रिकॉर्ड स्वीडन में पारा शून्य से 43.6 डिग्री नीचे

यूरोपीय देशों में स्वीडन के क्विक्कजोक-अरेनजारका में पारा शून्य से 43.6 डिग्री सेंटीग्रेड नीचे गिर गया। यह स्वीडन में 25 वर्षों में दर्ज जनवरी का सबसे कम तापमान है। उधर, अधिक ठंड और बर्फीले तूफान के कारण स्कैंडिनेविया में स्कूलों को बंद कर दिया गया, जबकि पश्चिमी यूरोप में तेज हवाओं और भारी बारिश के चलते बाढ़ में एक की मौत हो गई। बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन नॉर्डिक क्षेत्र में तापमान शून्य से 40 डिग्री सेंटीग्रेड नीचे गिर गया। पूरे नॉर्डिक क्षेत्र में परिवहन बाधित होने से कई पुल बंद हैं और कुछ ट्रेनें व नौका सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। डेनमार्क में पुलिस ने मोटर चालकों से अनावश्यक यात्राओं से बचने का आग्रह किया है। साइबेरिया, आर्कटिक क्षेत्र की शीतलहर पश्चिमी रूस में भी पहुंच गई है, जिससे तापमान शून्य से 30 डिग्री सेंटीग्रेड नीचे गिर गया है। स्वीडन में सबसे ठंडी रात उत्तरी लैपलैंड में जल संकट स्वीडन में बुधवार को 25 वर्षों में जनवरी की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। उत्तरी लैपलैंड क्षेत्र में तापमान शून्य से 38.7 सेल्सियस नीचे जाने से पानी के पाइप जमने से जलसंकट कई घटनाएं सामने आई हैं। इस कारण टाम्परे शहर में लोगों को बिना पानी के रहना पड़ रहा है। कुछ दिन यही स्थिति रह सकती है।

अमेरिका के आयोवा स्थित स्कूल में गोलीबारी में एक छात्र की मौत, पांच अन्य घायल

आरोपी ने खुद को मारी गोली

वाशिंगटन: अमेरिका के आयोवा में एक उच्च विद्यालय में गुरुवार सुबह हुई गोलीबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हवाले से यह खबर दी है। गोलीबारी गुरुवार सुबह आयोवा के पेरी स्थित पेरी उच्च विद्यालय में हुई। इस घटना के बाद विद्यालय को तुरंत खाली करा लिया गया और विद्यालय के बाहर कई कानून प्रवर्तन कारें देखी गईं।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक हाई स्कूल में 17 वर्षीय संदिग्ध द्वारा की गई गोलीबारी में छठी कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। संदिग्ध की पहचान पेरी हाई स्कूल के ही एक छात्र के रूप में की गई है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक हमले का आरोपी भी मृत पाया गया है। पुलिस ने आशंका जताई है कि उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। साथ ही सामने आया है कि पीड़ितों में एक स्कूल प्रशासक भी शामिल है।

आपको बता दें, पेरी अमेरिका का एक छोटा शहर है। यहां लगभग 8,000 लोग रहते हैं और यह डेस मोइनेस से लगभग 40 मील (64 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में, राज्य की राजधानी के महानगरीय क्षेत्र के किनारे पर है।

आईएस ने ली ईरान में करमान विस्फोटों की जिम्मेदारी, हमले में गई थी 103 लोगों की जान

तेहरान: आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने गुरुवार को दक्षिण-पूर्वी ईरान के करमान में दो घातक बम विस्फोटों की जिम्मेदारी ली। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार आईएस ने एक बयान जारी कर कहा कि उसके दो आत्मघाती हमलावरों ने दो अभियानों में विस्फोटक बेल्ट का इस्तेमाल किया था। उल्लेखनीय है कि बुधवार को करमान में शीर्ष ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की कब्र के पास हुए दोहरे बम विस्फोट में कम से कम 103 लोग मारे गए और 284 अन्य घायल हुए थे। इस घटना के समय अमेरिकी ड्रोन हमले में सुलेमानी की मौत की चौथी बरसी मनाने के लिए भारी भीड़ जुटी हुई थी। इससे पहले आईआरएनए ने सूत्र का हवाला देते हुए बताया था कि पहले विस्फोट के आसपास के निगरानी कैमरे के फुटेज और अन्य सबूत आत्मघाती हमले की ओर इशारा कर रहे हैं। सूत्र ने कहा कि दूसरे विस्फोट भी संभवत- एक आत्मघाती हमला था। पहला धमाका कब्र से करीब 700 मीटर दूर और दूसरा एक किलोमीटर दूर हुआ था। आईआरएनए के अनुसार, राजनीतिक और सुरक्षा मामलों के लिए करमान प्रांत के डिप्टी गवर्नर रहमान जलाली ने एजेंसी को बताया कि विस्फोट आतंकवादियों द्वारा किए गए थे।

तीन मंजिला होगा राम मंदिर...जानिए कब पूरा होगा निर्माण कार्य

नई दिल्ली: अयोध्या में तीन मंजिला राम मंदिर का निर्माण इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विस्तृत क्षेत्र में फैले मंदिर परिसर में अन्य ढांचे भी होंगे। मिश्रा ने मीडिया से एक साक्षात्कार में कहा, ''हम सभी भगवान राम द्वारा कर्तव्य निर्वहन में प्रदर्शित की गई मर्यादा का पालन कर रहे हैं। अयोध्या में 22 जनवरी को मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां की जा रही हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें शामिल होंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने समारोह में 7,000 से अधिक लोगों को आमंत्रित किया है। निर्माण कार्य के बारे में पूछे जाने पर मिश्रा ने कहा, ''अभी, भूतल का निर्माण हुआ है, पहली और दूसरी मंजिल का निर्माण दिसंबर 2024 तक पूरा हो जाएगा। नर्माण कार्य में चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''प्रतिदिन चुनौतियां आती हैं। लेकिन, मुझे लगता है कि चुनौतियों का हल अपने आप हो जाता है। अगली सुबह, हम देखते हैं कि समाधान खुद ब खुद हो गया है। न्यास के महासचिव चंपत राय ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोई भी कार्य इस तरह से नहीं किया जाएगा जो नियमों, सिद्धांतों, मर्यादा पुरषोत्तम राम के जीवन के खिलाफ हो। मिश्रा ने कहा, ''वह बहुत स्पष्ट हैं। सरकार को जो कुछ भी कर दिया जाना है, दिया जाएगा। इसलिए हम उस मर्यादा का पालन कर रहे हैं। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रद्धालु निर्माण की गुणवत्ता और इसके टिकाऊपन से संतुष्ट होंगे। मिश्रा ने कहा कि वे इसके कम से कम 1,000 साल टिकने की उम्मीद कर रहे हैं इसलिए ''हमारी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं।

भारत को 10 साल में 10000 मेगावाट बिजली का निर्यात करेगा नेपाल, द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की दो दिनी यात्रा के दौरान नेपाल ने एक दीर्घकालिक 4 समझौते पर दस्तखत किए। यह समझौता आगामी 10 वर्षों में भारत को 10,000 मेगावाट बिजली के निर्यात की सुविधा प्रदान करेगा। यहां एक द्विपक्षीय बैठक में जयशंकर और नेपाल के ऊर्जा-जल संसाधन व सिंचाई मंत्री शक्ति बहादुर बस्नेत की मौजूदगी में बिजली निर्यात समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। नेपाल के ऊर्जा सचिव गोपाल सिगडेल और उनके भारतीय समकक्ष पंकज अग्रवाल ने द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। पिछले साल 31 मई से 3 जून तक प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच बिजली निर्यात पर सहमति बनी थी। इसके अलावा दीर्घकालिक ऊर्जा व्यापार, नेपाल एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा न्यू स्पेस इंडिया लिमि के बूच लूनास उपग्रह के लिए नेपाल को तकनीकी मदद और नवीकरणीय ऊर्जा प्रवर्धन में सहयोग के लिए नेपाल विद्युत प्राधिकरण तथा भारत के बीच समझौता भी हुआ है। जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद के साथ द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, कनेक्टिविटी परियोजनाओं और रक्षा और सुरक्षा में सहयोग पर चर्चा की। भारत की पड़ोस प्रथम नीति का अहम साझेदार है नेपाल जयशंकर ने कहा, 2024 के पहले दौरे पर फिर से नेपाल आकर खुश हूं। इससे पहले उन्होंने नई दिल्ली में कहा, नेपाल निश्चित ही भारत की पड़ोस प्रथम नीति के तहत उसका अहम साझेदार है। यह दौरा दो करीबी और मैत्रीपूर्ण पड़ोसियों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को ध्यान में रखते हुए है। सऊद के साथ कई अन्य समझौतों पर चर्चा जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद के साथ 7वीं भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और आर्थिक संबंधों,

भूमि, रेल और हवाई कनेक्टिविटी परियोजनाओं, रक्षा और सुरक्षा में सहयोग, कृषि, ऊर्जा, बिजली, जल संसाधन, आपदा प्रबंधन, पर्यटन, नागरिक उड्डयन पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन, दीर्घकालिक बिजली व्यापार, नवीकरणीय ऊर्जा विकास में सहयोग व जाजरकोट भूकंप के बाद राहत आपूर्ति की 5वीं किश्त सौंपने पर समझौतों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से तीन सीमा पार ट्रांसमिशन लाइनों का भी उद्घाटन किया। नेपाली शीर्ष नेतृत्व से बहुआयामी संबंधों पर वार्ता विदेश मंत्री ने नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और पीएम पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' से मिलकर अद्वितीय और बहुआयामी भारत-नेपाल संबंधों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। जयशंकर ने प्रचंड को पीएम नरेंद्र मोदी की तरफ से शुभकामनाएं दीं और जून 2023 में उनकी सफल भारत यात्रा को याद किया जिसने संबंधों को एक नई गति दी। प्रचंड ने कहा, भारत-नेपाल मित्रता अद्वितीय है। जयशंकर ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से शिष्टाचार मुलाकात की। पौडेल ने नेपाल और भारत के बीच संपर्क, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने तथा जलविद्युत के क्षेत्रों में साझेदारी व सहयोग की जरूरत पर जोर दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569